25/-₹

हिन्दी साप्ताहिक

विश्वकर्मा किरण

वर्ष-20 अंक-44 जौनपुर 28 नवम्बर, 2019 http://www.vishwakarmakiran.com

केन्द्रीय मन्त्री गजेन्द्र सिंह शेखावत व मां कुलरिया ने किया

नरसी ग्रुप के नवीन प्रतिष्ठान का उद्घाटन

150 करोड़ रूपये निवेश कर स्थापित हुई तीसरी उत्पादन फैक्ट्री

TM VEW Vishwakarma Engineering Works

ALL KIND OF NEW MACHINERY
TEXTILE MACHINES &
ALL VALUE ADDED FABRIC MACHINES MANUFACTURER

BSCIC NABCB QM 039 ISO 9001 REGISTERED

Vijay R. Mistry
Mob.-9825154496

VISHWAKARMA ENGINEERING WORKS

Shearing Machine

Warr Center Cutting Machin

Warp Butta Cutting Machine

Roll Press Machine

Calendar Machine & Bags Polish

Five Roll Calendar & Iron Press Mac

-Office Address-
Plot No.64, Vinayak Chambers, Jawahar Road, Road No.– 4, Udhna Udhyog Nagar, Surat–394210 (Gujarat)
Factory-Plot No.B/1,73-74,Bhagwati Ind. Estate, Nr Navin Flourine Colony, Bhestan, Surat.
PHONE NO. : +91-261-2274380, CELL : +91-9825154496,
e-mail address : vijayr.mistry@yahoo.com website : http://vishwakarmaengineering.com
http://www.vishwakarmaengineeringwork.in/ http://www.vishwakarmaengineeringwork.com/
https://www.youtube.com/channel/UCdpT7D2K_DHwXGYnZ-Qo_lw

R.N.I. No.- UPHIN/2000/01157

विश्वकर्मा किरण

हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका

वर्ष-20 अंक-44

जौनपुर, 28 नवम्बर, 2019

पृष्ठ: 32 मूल्य: 25/- रूपया

प्रेरक

रघबीर सिंह जांगड़ा

मो0: 8599999531

*****

सम्पादक

कमलेश प्रताप विश्वकर्मा

मो0: 9454619328

*****

सह सम्पादक

विजय कुमार विश्वकर्मा

E-mail: sharmavijay86@gmail.com

*****

सह सम्पादक

धीरज विश्वकर्मा

मो0: 9795164872

*****

समन्वय सम्पादक

शिवलाल सुथार

मो0: 8424846141

*****

मुम्बई ब्यूरो

इन्द्रकुमार विश्वकर्मा

मो0: 9892932429

*****

जौनपुर ब्यूरो

संजय विश्वकर्मा

मो0: 9415273179

-:सम्पर्क एवं प्रसार कार्यालयः-

डिजिटल प्वाइंट, कैपिटल बिल्डिंग

(भाजपा कार्यालय के सामने)

त्रिलोकनाथ रोड, हजरतगंज

लखनऊ। 226001

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कमलेश प्रताप विश्वकर्मा द्वारा अजन्ता प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स, अहमद काम्प्लेक्स, गुईन रोड, अमीनाबाद, लखनऊ से मुद्रित एवं 98, नारायण निवास, नखास, सदर, जौनपुर से प्रकाशित।

सम्पादक- कमलेश प्रताप विश्वकर्मा

website: www.vishwakarmakiran.com

E-mail: news@vishwakarmakiran.com

-:मुख्य संरक्षकः-

विश्वकर्मा जागरूकता मिशन

सम्पादकीय...

कमलेश प्रताप विश्वकर्मा

सामाजिक एकता व विकास में बाधक लोहार-बढ़ई के संगठन

जी हां, यह बात कड़वी जरूर है पर सच है। देश में बने लोहार और बढ़ई के संगठनों ने विश्वकर्मा समाज की सामाजिक एकता व विकास में बाधा पहुंचाने का काम किया है। आज जब पूरे देश में 'विश्वकर्मा' के नाम पर एक ताकत बनाने की बात होती है तो उसमें लोहार-बढ़ई करने वाले लोग अपना हित साधने में लग जाते हैं। ऐसे लोग कतई समाज के हितैषी नहीं हो सकते। मैं नहीं कहता कि आप संगठन न बनाइये, एक नहीं, हजार संगठन बनाइये परन्तु उद्देश्य साफ होना चाहिये कि यह संगठन 'विश्वकर्मा' के नाम पर विश्वकर्मा समाज के हित में काम करेगा। लोगों को यह नहीं भूलना चाहिये कि विश्वकर्मा ही हमारी पहचान और ताकत है। विश्वकर्मा समाज के जितने भी संगठन हैं चाहे वह विश्वकर्मा के नाम पर बने हों, शिल्पकार के नाम पर बने हों, लोहार के नाम पर बने हों या फिर बढ़ई के नाम पर बने हों, सभी के उद्देश्यों में राजनीतिक उद्देश्य जरूर छिपा होता है। सभी की मांग होती है कि उन्हें राजनीतिक भागीदारी दी जाय। लोग राजनीतिक भागीदारी की बात तो करते हैं परन्तु जिस ताकत की बदौलत भागीदारी मिल सकती है, उस ताकत को बनाने की बात कोई नहीं करता। सम्पूर्ण विश्वकर्मा समाज अन्दर से बहुत मजबूत है और एक भी है, उसे कमजोर करने का काम निजी स्वार्थ में बने लोहार और बढ़ई के संगठन कर रहे हैं। यही कमजोरी हमें शासन-सत्ता से भी दूर किये हुये है। विभिन्न संगठनों के अध्यक्ष और पदाधिकारी एक दूसरे के साथ उठना-बैठना तक पसंद नहीं करते। उनका घमण्ड उन्हें साथ नहीं खड़ा होने देता। लोगों की आपसी संवादहीनता और दूर कर दे रही है।

दूरी सिर्फ लोहार-बढ़ई में ही नहीं, लोहार की लोहार से और बढ़ई की बढ़ई से भी दूरी है। यह दूरी सिर्फ खुद के बनाये हुये संगठन के नाम पर है। खुद बनाया संगठन लोगों को इतना घमण्डपूर्ण बना दिया है कि जैसे उन्होंने संगठन बनाते ही सबकुछ हासिल कर लिया है। बाद में पता चलता है कि उनके हाथ तो कुछ भी नहीं लगा। ऐसे संगठन समाज के लोगों को गुमराह करके अपने साथ जोड़ने का प्रयास करते हैं। समाज का व्यक्ति यदि किसी संगठन से जुड़ गया तो दूसरे संगठन के लिये जैसे वह दुश्मन हो जाता है। ऐसी स्थिति में समाज व्यक्ति का नुकसान भी हो जाता है। यह स्थिति सिर्फ नासमझी के कारण होती है।

विश्वकर्मा समाज के सभी वर्गों के लोगों को ''विश्वकर्मा'' के नाम पर एकजुट होकर एक ताकत बनाने की आवश्यकता है। विश्वकर्मा शब्द की पहचान पूरे देश में है। विश्वकर्मा के नाम पर ताकत बनेगी तो शासन-सत्ता में बिन मांगे भागीदारी मिल जायेगी। लोहार का संगठन बनाकर लोहार को भागीदारी, बढ़ई का संगठन बनाकर बढ़ई को भागीदारी देने की बात करते हैं, उन्हें विश्वकर्मा समाज को भागीदारी की बात करनी चाहिये। लोहार-बढ़ई के नाम पर आपस में नफरत फैलाने वालों को समाज के लोगों को करारा जवाब देना चाहिये। हमारे एक ही ईश्वर 'विश्वकर्मा' हैं और हमारी पहचान व ताकत 'विश्वकर्मा' है।

केन्द्रीय मन्त्री गजेन्द्र सिंह शेखावत व मां कुलरिया ने किया नरसी ग्रुप के अति आधुनिक प्रतिष्ठान का उद्घाटन

-इण्टीरियर सेक्टर का सर्वोत्कृष्ट प्रतिष्ठान है नरसी ग्रुप।

-नवी मुम्बई के वाशी में स्थापित हुआ नरसी ग्रुप का नवीन प्रतिष्ठान।

-विश्वस्तरीय अति आधुनिक तकनीक से युक्त है नवीन प्रतिष्ठान।

-उद्घाटन अवसर पर उपस्थित हुईं विभिन्न क्षेत्रों की नामी हस्तियां।

रिपोर्ट- शिवलाल सुथार, समन्वय संपादक

-भंवर-नरसी-पूनम कुलरिया की मां रामप्यारी देवी ने उद्घाटन अवसर पर किया दीप प्रज्जवलन, दिया आशिर्वाद।

-नरसी ग्रुप ने 150 करोड़ रूपये के निवेश से स्थापित की है तीसरी अति आधुनिक उत्पादन फैक्ट्री।

-नरसी ग्रुप ने 2022 तक चौथा प्रतिष्ठान स्थापित करने का दिया संकेत।

मुम्बई। इन्टीरियर सेक्टर में नरसी ग्रुप ने इसी माह 14 नवम्बर को नवी मुम्बई के वाशी में स्थापित अपने तीसरे अत्याधुनिक उत्पादन फैक्ट्री का शुभारम्भ किया। करीब 150 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित इस विश्व स्तरीय उत्पादन फैक्ट्री की शुरूआत से नरसी ग्रुप की क्षमता 3 गुनी बढ़ चुकी है। केन्द्रीय मन्त्री गजेंद्र सिंह शेखावत व भंवर-नरसी-पूनम कुलरिया की माता जी रामप्यारी देवी कुलरिया (धर्मपत्नी ब्रह्मलीन संत दुलाराम कुलरिया) ने दीप प्रज्जवलन कर इस फैक्ट्री का उद्घाटन किया। इस मौके पर सींथल पीठाधीश्वर क्षमाराम महाराज के सानिध्य में हवन एवं सुंदरकाण्ड के सामूहिक पाठ का आयोजन हुआ।

इस अवसर पर इन्टीरियर, बैंकिंग, आईटी व उद्योग जगत की नामी हस्तियां, नरसी ग्रुप के अधिकारी-कार्मिक, कुलरिया परिवार के रिश्तेदार एवं मूलवास-सीलवा के ग्रामीण मौजूद रहे।

श्रम साधना पर गर्व-

उद्घाटन कार्यक्रम में केन्द्रीय मन्त्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि राजस्थान के छोटे से गांव मूलवास-सीलवा से आकर मेहनत एवं ईमानदारी के बल पर देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई में इतना बड़ा ग्रुप खड़ा करने वाले कुलरिया परिवार की श्रम साधना पर हमें गर्व है। उद्यम के साथ-साथ समाजसेवा में अग्रणी भूमिका निभाने वाला कुलरिया परिवार आगे बढ़े, यही कामना है। स्किल इण्डिया पर चर्चा करते हुए केन्द्रीय मन्त्री ने कहा कि नरसी ग्रुप द्वारा स्किल इण्डिया के माध्यम से हजारों युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। नोखा विधायक बिहारीलाल बिश्नोई ने कुलरिया परिवार की उद्यमिता को प्रेरक बताया। कवि शैलेश लोढ़ा ने काव्य पाठ किया।

2022 तक चौथा प्लांट-

नरसी ग्रुप के सीएमडी नरसी कुलरिया ने अतिथियों का स्वागत कर उद्घाटित नए फैक्ट्री के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि करीब सवा लाख वर्ग फीट में स्थापित देश के इस प्लांट में विदेशों से आयातित अत्याधुनिक स्वचालित मशीनें लगाई गई हैं। इस नए प्लांट में राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय रिटेल

सेगमेंट के लिए फर्नीचर भी बनाया जाएगा। मार्च 2020 तक इस प्लांट में उत्पादन शुरू हो जाएगा। इसके साथ ही वर्ष 2022 तक नरसी ग्रुप के चौथे प्लांट की भी योजना बना ली गई है।

अतिथियों का माना आभार-

कार्यक्रम के दौरान ग्रुप सीएमडी नरसी कुलरिया अपने भाइयों उद्योगपति भंवर कुलरिया व पूनम कुलरिया तथा पुत्र डायरेक्टर जगदीश कुलरिया के साथ अतिथियों की शुभकामनाओं पर आभार जताया। कार्यक्रम में गोसेवी पदमाराम कुलरिया, उमाराम कुलरिया, देवकिशन कुलरिया, मगाराम कुलरिया, कानाराम कुलरिया, भूराराम कुलरिया, शंकरलाल कुलरिया, धर्मचंद, दीपक, सुखदेव, लालचंद, अशोक, राजेश, नरेंद्र, गोपी, जगदीश, जय, मोहित, जनक, अभिषेक, जयन्त, तनय, दिव्यम सहित कुलरिया परिजनों ने आगन्तुकों का स्वागत किया।

बड़ी संख्या में उपस्थित हुये समाज के अधिकारी व समाजसेवी-

नरसी ग्रुप के तीसरी फैक्ट्री उद्घाटन के अवसर पर बड़ी संख्या में अधिकारी व समाजसेवी भी उपस्थित हुये। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के संरक्षक व पूर्व प्रधान कैलाश शर्मा जांगिड़, तमिलनाडु के पूर्व डीजीपी सांगाराम जांगिड़, वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी दिनेश जांगिड़ 'सारंग', न्यायाधीश रमेश वर्मा, उद्योगपति अमराराम जांगिड़, लीलाराम जांगिड़, सूरजमल माकड़, भाजपा नेता अजित मांडण, मुन्नाराम सुथार, तिलोक एस जांगिड़, समाजसेवी व 'विश्वकर्मा किरण' पत्रिका के समन्वय संपादक

उत्तर प्रदेश में भी नरसी ग्रुप का बड़ा नाम

वाराणसी। इन्टीरियर आइकॉन नरसी ग्रुप का नाम सिर्फ मुम्बई में ही नहीं बल्कि पूरे देश में है। उत्तर प्रदेश में भी नरसी ग्रुप का बड़ा नाम है। नरसी ग्रुप ने वाराणसी में प्रधानमन्त्री के ड्रीम प्रोजेक्ट महामना मदनमोहन मालवीय कैंसर हास्पिटल के इन्टीरियर का काम तय समय से पहले पूरा करके कीर्तिमान स्थापित किया है। इस अस्पताल का उद्घाटन प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। उद्घाटन समारोह के अवसर पर ग्रुप के सीएमडी नरसी कुलरिया भी प्रधानमन्त्री के पीछे तीसरी पंक्ति में बतौर विशिष्ट अतिथि बैठे नजर आये। इसके पूर्व भी नरसी ग्रुप ने कई अवसरों पर उत्तर प्रदेश में अपने कार्य और उत्पाद की छाप छोड़ी है। वाराणसी के महामना मदनमोहन मालवीय कैंसर हास्पिटल के इन्टीरियर का काम पूरा करने के लिये ग्रुप ने 600 कार्मिकों की टीम लगाई थी।

शिवलाल सुथार, नीलेश पांचाल, भंवर माकड़, आदि लोग कार्यक्रम में सम्मिलित हुये।

इस अवसर पर ग्रुप सीएमडी नरसी कुलरिया को 'विश्वकर्मा गौरव' सम्मान से सम्मानित किया गया।

दिनेश जांगिड़ 'सारंग' की दिल्ली में हुई तैनाती

अहमदाबाद तैनाती में छोड़ी अनोखी छाप

दिल्ली। वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी दिनेश जांगिड़ 'सारंग' को दिल्ली में तैनाती दी गई है। इससे पहले वह अहमदाबाद में तैनात थे। श्री जांगिड़ को दिल्ली में उप निदेशक आईसीईजीएटीई के तौर पर नवीन तैनाती प्रदान की गई है। वह दिल्ली के आईटीओ स्थित केन्द्रीय राजस्व भवन में प्रथम तल पर बैठेंगे।

अहमदाबाद में तैनाती के दौरान दिनेश जांगिड़ 'सारंग' ने नौकरी के साथ ही सामाजिक गतिविधियों में भाग लेते हुये अनोखी छाप छोड़ी। उनकी कार्यप्रणाली और व्यवहारिकता का अन्दाजा उनके स्थानान्तरण के बाद उनकी विदाई में लोगों के उमड़े जनसमूह से लगाया जा सकता है। लोगों ने विदाई के दौरान उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया। लोगों ने उन्हें कन्धे पर भी उठाकर घुमाया। श्री सारंग के प्रयास से ही अहमदाबाद में विश्वकर्मा युवा मित्र मण्डल का गठन हुआ और कई सराहनीय कार्यक्रम भी हुये। अब विश्वकर्मा युवा मित्र मण्डल का दायरा अहमदाबाद से आगे बढ़कर राजस्थान भी पहुंच गया है। इसी महीने की 17 तारीख को नागौर में कार्यक्रम आयोजित कराकर दिनेश जांगिड़ ने मित्र मण्डल को और मजबूती प्रदान की।

सरकारी नौकरी में बड़े पदों पर बहुत लोग आसीन हैं, परन्तु दिनेश जांगिड़ 'सारंग' जैसा व्यक्तित्व बहुत कम ही देखने को मिलता है। लोगों को इनकी कार्यप्रणाली से सीख लेकर समाजहित में कार्य करना चाहिये।

14 नवम्बर को नवी मुम्बई में नरसी ग्रुप के फैक्ट्री उद्घाटन अवसर पर पधारे लोगों ने पास ही स्थित पदम इण्डस्ट्री के मुख्य द्वार पर वरिष्ठ समाजसेवी व गोसेवी पदमाराम कुलरिया के साथ ग्रुप फोटो खिंचाई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से हंसराज विश्वकर्मा दूसरी बार बने भाजपा जिलाध्यक्ष

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश ने एक बार फिर हंसराज विश्वकर्मा पर विश्वास जताते हुए उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी का जिलाध्यक्ष बनाया है। हंसराज विश्वकर्मा का यह दूसरा कार्यकाल होगा। उनके कार्यकाल में चुनावों में अपार सफलता तो मिली ही, प्रधानमंत्री सहित केंद्रीय मन्त्रियों और राज्य मंत्रियों के सफल कार्यक्रम हुये।

गरीब घर में पैदा होकर पले-बढ़े हंसराज विश्वकर्मा ने अपनी कर्तव्यनिष्ठा के बदौलत पहचान बनायी। बीते कार्यकाल को लेकर तमाम अटकलें थी जिसे खारिज करते हुये भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने पुनः हंसराज विश्वकर्मा पर विश्वास जताया। कहावत है 'जब किसी गरीब घर का व्यक्ति संघर्ष कर आगे निकलता है तो इतिहास बदलता है।' हंसराज विश्वकर्मा ने इतिहास बदलने का काम किया है।

हंसराज विश्वकर्मा वाराणसी शहर के डीएलडब्ल्यू क्षेत्र के कंचनपुर गांव के निवासी हैं। वह स्व0 रामभजन विश्वकर्मा के यहां 1 अगस्त 1969 को पैदा हुये थे। 20 वर्ष की अवस्था यानी वर्ष 1989 में भारतीय जनता पार्टी से जुड़े और सबसे पहले बूथ स्तर की जिम्मेदारी निभाया। वह जमीन स्तर के नेता हैं। उन्होंने संगठन में विभिन्न पदों पर जिम्मेदारी निभाते हुये संगठन को यह विश्वास दिला दिया कि वह हर जिम्मेदारी निभाने में सक्षम हैं। उनके दोबारा अध्यक्ष बनाये जाने पर लोगों में प्रसन्नता है। ''विश्वकर्मा किरण'' पत्रिका परिवार की तरफ से हंसराज विश्वकर्मा को बीते सफल कार्यकाल की बधाई व आगे की सफलता हेतु शुभकामनाएं। साथ ही भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व को धन्यवाद।

जिम्मेदारी पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा- हंसराज

दोबारा भाजपा का जिला अध्यक्ष बनाये जाने के बाद हंसराज विश्वकर्मा ने फोन पर हुई वार्ता में कहा कि पार्टी ने उन्हें बहुत बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी ने उन पर बहुत बड़ा विश्वास कर दोबारा जिम्मेदारी सौंपी है, इससे उनकी जिम्मेदारी और बढ़ गई है तथा वह इसे चुनौती मानते हैं। उनका प्रयास रहेगा कि जिस तरह पार्टी ने उन पर विश्वास कर जिम्मेदारी सौंपी है उसी तरह शत-प्रतिशत खरा उतरूं।

विश्वकर्मा समाज का होने के नाते जिम्मेदारी पूंछे जाने पर हंसराज ने कहा कि सभी बड़े राजनीतिक दल तो सिर्फ प्रकोष्ठों और मोर्चों तक ही सीमित रखते हैं। भाजपा ने मुझे मेन बाडी का लगातार दोबारा अध्यक्ष बनाकर विश्वकर्मा समाज का भी दिल जीत लिया है। उनका प्रयास रहेगा कि विश्वकर्मा समाज को भाजपा से जोड़ें और भाजपा में विश्वकर्मा समाज की अपनी पहचान हो।

विश्वकर्मावंश के इतिहास को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया गया- रामआसरे विश्वकर्मा

-शिव प्रकाश विश्वकर्मा

मुजफ्फरनगर। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्वमन्त्री रामआसरे विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज के इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है जिससे विश्वकर्मा समाज की वास्तविक पहचान आज तक नहीं बन पायी। आज विश्वकर्मा समाज की पूरे देश में उपेक्षा हो रही है। हम सभी विश्वकर्मा बन्धुओं

को भगवान विश्वकर्मा और उनके वंशजों के इतिहास को जन-जन तक पहुंचाना होगा। समाज के सम्मान-स्वाभिमान, पहचान और अस्तित्व बचाने के लिए हम सभी को संघर्ष करना होगा। पूर्वमन्त्री श्री विश्वकर्मा पांचाल मानव सेवा संस्थान मुजफ्फरनगर द्वारा बामन हेड़ी रुड़की रोड मुजफ्फरनगर में आयोजित विश्वकर्मा भवन धर्मशाला मंदिर निर्माण के भूमिपूजन एवं शिलान्यास अवसर पर आयोजित समारोह में यह बात कही।

पूर्वमन्त्री ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा ही हमारे आराध्य देव हैं और इन्हीं से हमारी पहचान है। भगवान विश्वकर्मा की पूजा हमारे गौरव और सम्मान से जुड़ा है। हमने उत्तर प्रदेश में सपा सरकार में विश्वकर्मा पूजा की सरकारी छुट्टी घोषित करायी थी। भाजपा सरकार ने उसे निरस्त कर भगवान विश्वकर्मा का अपमान कर दिया। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को निर्माण के देवता के रूप जाना जाता है। भगवान शिव को सोने का महल भगवान कृष्ण को द्वारिकापुरी भगवान इन्द्र को इन्द्रपुरी तथा यम को यमपुरी और भगवान राम के लिये पुष्पक विमान का निर्माण भगवान विश्वकर्मा ने किया था। देश और दुनिया के विकास और तकनीकी निर्माण में भगवान विश्वकर्मा और उनके वंशजो का बहुत बड़ा योगदान रहा है। सूचना क्रान्ति के जनक सैम पित्रोदा तथा सरदार पटेल के मूर्ति का प्रारूपकार राम वी सुतार तथा साइकिल के आविष्कारक अस्ट्रेलिया के मैकमिलन तथा होंडाकार का आविष्कार करने वाले जापान के साइचिरो होंडा सभी विश्वकर्मा समाज के थे। देश का विकास और निर्माण विश्वकर्मा समाज से ही प्राम्भ हुआ।

श्री विश्वकर्मा ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन और भारत के राष्ट्रपति ज्ञानी जैलसिंह विश्वकर्मा समाज में पैदा होकर विश्वकर्मा समाज का नाम आगे बढ़ाया। उत्तर प्रदेश में सपा सरकार में मुलायम सिंह यादव तथा अखिलेश यादव ने राम आसरे विश्वकर्मा को शिक्षामन्त्री बनाया था।अगर उत्तर प्रदेश

में विश्वकर्मा समाज का विधायक और मन्त्री बन सकता है तो दूसरे राज्यों में विश्वकर्मा समाज का मन्त्री और विधायक क्यों नहीं बन सकता। देश व प्रदेश की सरकारों ने विश्वकर्मा समाज को न तो विधायक-मन्त्री बनाया और न सरकार में भागीदारी दी। समाज के विकास की कोई योजनाएं भी नहीं बनायी, यही कारण है कि विश्वकर्मा समाज की सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक क्षेत्र में भागीदारी न के बराबर है।समाज को आबादी के अनुरूप लोकसभा राज्यसभा विधानसभा और सरकार में हिस्सेदारी नहीं दी गयी। हमारे लोहे और लकड़ी के कारोबार और रोजगार के लिये न तो कानून बनाया गया और न योजनाएं चलायी गयी। आरक्षण के तहत विश्वकर्मा समाज के युवकों को नौकरी व सम्मान नहीं दिया गया। हम अनेक संस्थाओं और पार्टियों में बंटे और बिखरे होने के कारण एकजुट नहीं हो सके, न तो हम विश्वकर्मा समाज की सामाजिक ताकत बन पाये और न राजनैतिक हिस्सेदारी ले पाये।

समाजवादी पार्टी की सरकार में मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने विश्वकर्मा पूजा पर सरकारी अवकाश घोषित करके तथा समाज के इण्टर पास विश्वकर्मा समाज के लडको को आईटीआई का प्रमाण पत्र और वर्कशाप के लिये ग्रामसभा का पट्टा देने का आदेश जारी करके विश्वकर्मा समाज को मजबूत किया था जिसे भाजपा सरकार में निरस्त करके हमारी पहचान मिटाने का प्रयास कर रही है। भाजपाराज में विश्वकर्मा समाज के ऊपर लगातार उत्पीड़न, अत्याचार और हत्याये हो रही है। न तो सरकार सुनवाई कर रही है और न पुलिस कार्यवाही कर रही है। श्री विश्वकर्मा ने राज्य के सभी नेताओं से अपने अधिकारों के लिये एकजुट होने पर जोर देते हुये कहा कि इस संघर्ष में उनका सहयोग करें ताकि आगे आने वाले दिनों में विश्वकर्मा समाज के सम्मान और स्वाभिमान की लड़ाई लड़ी जा सके।

कार्यक्रम की अध्यक्षता बिशम्भर पांचाल तथा संचालन रविदत्त धीमान ने किया। शिलान्यास समारोह को ओमकार मुनि महाराज गुजरात, संजय माणिक लाल गुजरात, सन्तमुनि शिवानन्द महाराज, बाबा भूरानाथ, आचार्य संत जगदीश महाराज, देशपाल पांचाल, ओमपाल पांचाल, रमेश चन्द पांचाल, नरेश आर्य, एस0पी0 सिंह, रोशनी पांचाल, फिल्म अभिनेता दिवाकर विश्वकर्मा, शिवकुमार आर्य सहित आदि लोगों ने सम्बोधित किया।

सामूहिक विवाह सम्मेलन से बढ़ती है आपस में समरसता– रिछपाल दास महाराज

शाहपुरा। त्रिवेणी धाम में देवउठवनी एकादशी के अवसर पर ब्रह्मलीन पद्मश्री संत शिरोमणि नारायण दास जी महाराज के पावन सानिध्य व खोजीद्वाराचार्य रिछपाल दास महाराज के मार्गदर्शन में निःशुल्क आदर्श जांगिड़ ब्राह्मण सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति शाहपुरा के तत्वावधान में जांगिड़ समाज के 10 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न हुआ। उपस्थित लोगों को आशीर्वाद देते हुए

रिपोर्ट– मनोज कुमार शर्मा

महंत रिछपाल दास महाराज ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन से लोगों में आपसी समरसता व भाईचारे की भावना बढ़ती है तथा कुरीतियों का उन्मूलन होता है। महाराज ने कहा कि आपसी भाईचारे व सद्भाव की भावना से ही स्वस्थ व आदर्श समाज का निर्माण होता है।

कार्यक्रम में महाराज व कथावाचक पं0 गणपति विश्वनाथ शास्त्री का शाल ओढ़ाकर व माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में पहाड़गंज मंदिर समिति अध्यक्ष गंगादीन जांगिड़ ने कहा कि लोगों को सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन में एकजुट होकर समाज के विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। सम्मेलन का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए समिति अध्यक्ष दामोदर पंवार ने बताया कि समिति द्वारा यह छठवां सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है जिसमें वर-वधू का विवाह निःशुल्क किया जाता है। कार्यकारी अध्यक्ष बाबूलाल आसल्या ने समिति को भामाशाह द्वारा दिए गए सहयोग का विवरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के दौरान अति विशिष्ट अतिथि अलवर जिला अध्यक्ष मदनलाल जांगिड़, महामंत्री सोहन लाल जांगिड़, प्रदेश उपाध्यक्ष सीताराम टटेरा, मुख्य निर्वाचन अधिकारी नंदलाल जांगिड़, भामाशाह गौरीशंकर जांगिड़, घनेंद्र जांगिड़, पुरुषोत्तम जांगिड़, अंगिरा धाम के पूर्व अध्यक्ष श्रवण जांगिड़, तहसील अध्यक्ष थानागाजी रामप्रताप जांगिड़, ओमप्रकाश जांगिड़, जमवारामगढ़ सूरजमल जांगिड़, बस्सी रमेश रावत, विराटनगर बाबूलाल जांगिड़, अंगिराधाम अध्यक्ष छीतरमल जांगिड़, घनेंद्र जांगिड़, जांगिड़ युवा शक्ति के लालचंद जांगिड़, सुरेश जांगिड़, राम नरेश जांगिड़, अजय जांगिड सहित कई लोगों ने विचार व्यक्त कर समाज के

सामूहिक कार्यक्रमों व आध्यात्मिकता से व्यक्ति में सद्भावना की भावना का विकास होता है- रिछपालदास महाराज

आपसी सद्भाव व प्रेम की भावना से रहने पर ही व्यक्ति व परिवार का जीवन सुखी रह सकता है- घनेन्द्र जांगिड़

विकास के सुझाव पर प्रकाश डाला। मंच संचालन कवि सीताराम टटेरा व अध्यक्ष दामोदर पंवार द्वारा किया गया।

केन्द्रीय मीडिया कमेटी सदस्य मनोज जांगिड़ ने सामूहिक विवाह सम्मेलन में समाज की प्रतिभाओं का सम्मान कार्यक्रम भी शामिल करने की आवश्यकता जताई। महामंत्री प्रेम कुमार जांगिड़ व कोषाध्यक्ष सत्यनारायण जांगिड़ ने गत सामूहिक विवाह सम्मेलन व छठवें सामूहिक विवाह सम्मेलन के आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया। अमरचंद जाला ने बताया कि सामूहिक विवाह में तेजपाल संग रीतिका, योगेश संग रितु, संतोष संग रीना, अनिल संग प्रियंका, छोटेलाल संग कल्पना, अमित संग वर्षा, मोतीराम संग मंजू, दशरथ संग सुमन, रोनक संग आशा, सतीश संग विनीता का विवाह संपन्न हुआ।

पाणिग्रहण संस्कार के दौरान महंत रिछपाल दास महाराज ने वर-वधुओं को आशिर्वाद प्रदान किया। सामूहिक विवाह सम्मेलन में अतिथियों, भामाशाहों, प्रतिभाओं, कार्यक्रम में सहयोग प्रदान करने वाले कार्यकर्ताओं को त्रिवेणी धाम तीर्थ स्थल, ब्रह्मलीन संत शिरोमणी नारायण दास महाराज व रिछपाल दास महाराज का चित्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने दूल्हा-दुल्हन को उपहार प्रदान कर विदाई दी। जांगिड़ समाज के इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में हजारों लोगों ने भाग लिया।

सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति द्वारा संत प्रसादी का आयोजन-

त्रिवेणी धाम शाहपुरा में आयोजित सामूहिक विवाह के उपलक्ष्य में सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति द्वारा संत प्रसादी का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजित सामाजिक सम्मेलन में महंत रिछपालदास महाराज ने कहा सामूहिक कार्यक्रमों व आध्यात्मिकता से व्यक्ति में सद्भावना की भावना का विकास होता है। मुख्य अतिथि उद्योगपति घनेंद्र जांगिड़ ने कहा कि लोगों को आपसी सद्भाव व प्रेम की भावना से रहने पर ही व्यक्ति व परिवार का जीवन सुखी रह सकता है। विशिष्ट अतिथि राजेश जांगिड़ खटकड़ ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन से दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों का उन्मूलन होता है। कार्यक्रम के दौरान त्रिवेणी धाम में विमलपुरा मौजूद साधु-संतों को पंगत प्रसादी वितरित की गई।

पंगत प्रसादी के दौरान जांगिड़ समाज के बंधुओं सहित त्रिवेणी धाम के विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम में रामेश्वर प्रसाद जांगिड़, गजेंद्र जांगिड़, गिरधारी लाल जांगिड़, महेश कुमार जांगिड़, सीताराम जांगिड़, कैलाश चंद्र जांगिड़, जगदीश प्रसाद कांट सहित संस्था के पदाधिकारीगण व सैकड़ों की संख्या में जांगिड़ समाज के लोग मौजूद थे।

जांगिड़ समाज ने सैनिक सहायता कोष के लिए दी 13 लाख 31 हजार की धनराशि

सृष्टि के सृजन में भगवान विश्वकर्मा व विश्वकर्मा समाज के लोगों का अविस्मरणीय योगदान रहा है- राजनाथ सिंह, रक्षामन्त्री

केंद्रीय रक्षामन्त्री राजनाथ सिंह ने जांगिड़ समाज का जताया आभार, प्रतिनिधिमण्डल का लिया परिचय।

नई दिल्ली। जांगिड़ समाज के एक प्रतिनिधिमण्डल ने युवा समाजसेवी अनिल एस जांगिड़ के नेतृत्व में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भेंट कर सैनिक सहायता कोष के लिए एकत्रित की गई 13 लाख 31 हजार की धनराशि का चेक भेंट किया। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जांगिड़ समाज के लोगों द्वारा सैनिकों के कल्याण के लिए सहायतार्थ राशि प्रदान किए जाने पर आभार जताया। केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कहा कि सृष्टि के सृजन में भगवान विश्वकर्मा व विश्वकर्मा समाज के लोगों का अविस्मरणीय योगदान रहा है।

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के केंद्रीय मीडिया कमेटी सदस्य मनोज जांगिड़ ने बताया कि उद्योगपति व समाजसेवी अनिल एस जांगिड़ गुरुग्राम व अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष लादूराम जांगिड़ के नेतृत्व में प्रतिनिधिमण्डल ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को राजनीतिक क्षेत्र में काफी आबादी होने के बावजूद समाज को उचित प्रतिनिधित्व नहीं दिए जाने पर प्रकाश डाला।

प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को अवगत करवाया कि विश्वप्रसिद्ध स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सरदार बल्लभभाई पटेल की प्रतिमा भी विश्वकर्मा वंशज प्रसिद्ध मूर्तिकार राम वी सुथार ने बनाई थी। इस दौरान प्रतिनिधिमण्डल ने जांगिड़ समाज द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न सामाजिक व समाज के उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों से अवगत करवाया। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रतिनिधिमण्डल में शामिल समाज बंधुओं से परिचय प्राप्त किया तथा देशहित के लिए किए गए कार्य की प्रशंसा की।

प्रतिनिधिमण्डल में अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के पूर्व दिल्ली प्रदेश प्रभारी देवमणि शर्मा, पहाड़गंज मंदिर अध्यक्ष गंगादीन जांगिड़, दिल्ली नगर निगम पार्षद अमन जांगड़ा, दिल्ली प्रदेश महामंत्री बंकटलाल जांगिड़, पहाड़गंज विश्वकर्मा मंदिर उपाध्यक्ष प्रवीण जांगड़ा सहित कई लोग मौजूद थे।

सर्वोत्कृष्ट शोध प्रकाशन के लिए अंकित विश्वकर्मा को महायोगी गुरु गोरक्षनाथ स्मृति स्वर्ण पदक

अंकित के इससे संबंधित 10 शोधपत्र अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। वर्ष 2014 में एमएससी टॉपर का मिला था गोल्ड मेडल

गोरखपुर। डीडीयू में वर्ष 2019 के सर्वोत्कृष्ट शोधार्थी अंकित कुमार विश्वकर्मा हैं। वातावरण में जहरीली गैसों की पहचान करने वाला संवेदक तलाशने वाले अंकित विश्वकर्मा को विश्वविद्यालय के सर्वोत्कृष्ट शोध प्रकाशन के लिए पुरस्कृत किया गया है। दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय ने अंकित विश्वकर्मा को गुरु गोरक्षनाथ स्मृति स्वर्ण पदक प्रदान किया है। अंकित को सम्मानित होते देखने पहुंचे किसान पिता रामनयन विश्वकर्मा की आंखों में खुशी के आंसू थे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में भौतिक विज्ञान में परास्नातक टॉप कर बेटे अंकित ने स्वर्ण पदक जीता था और अब महत्वपूर्ण शोध पर उसे राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने स्वर्ण पदक प्रदान किया है। बेटे की यह सफलता उनके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

अंकित विश्वकर्मा ने बताया कि वातावरण में बेंजीन, टालुइन, मेथेनाल, एथेनाल, एलपीजी आदि विषैली गैसों को पकड़ने के लिए उन्होंने थिन फिल्म गैस सेंसर बनाया है। जहरीली गैसों की पहचान करने वाले सेंसर में कैडमियम सल्फाइड और टाइटेनियम डाइऑक्साइड का प्रयोग किया गया है।

अंकित ने बनाई है गैस सेंसर मशीन–

भौतिकी के शोधार्थी अंकित कुमार विश्वकर्मा ने प्रोफेसर लल्लन यादव के निर्देशन में शोध करते हुए गैस सेंसर मशीन तैयार की है जो रूम टेंपरेचर पर भी एलपीजी, बेंजीन, मेथेनॉल आदि जहरीली गैसों की लीकेज सेकंड से तेज समय में पकड़कर अलर्ट कर देती है। दुनिया भर में ऐसे तमाम सेंसर उपकरण बनाए गए हैं मगर अंकित के शोध में पहली बार कैडमियम सल्फाइड में टाइटेनियम डाइऑक्साइड मिलाकर ऐसा सेंसर तैयार किया गया है। अंकित के इससे संबंधित 10 शोधपत्र अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं।

वर्ष 2014 में टॉपर का मिला था गोल्ड मेडल–

जिले के सिलहटा बिशुनपुरा गांव निवासी अंकित विश्वकर्मा ने ने एमएससी की पढ़ाई भी डीडीयू से ही पूरी की है। वर्ष 2014 में डीडीयू से उन्हें एमएससी में टॉपर का गोल्ड मेडल हासिल हुआ है। वर्ष 2015 से उन्होंने अपना रिसर्च प्रारम्भ किया और प्रोफेसर लल्लन यादव की देखरेख में सफलतापूर्वक निष्कर्ष पर पहुंचे। इस समय उन्हें एसआरएफ ग्राण्ट मिल रही है। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय विभाग के समस्त गाइड प्रोफेसर लाल्लन यादव सहित सभी गुरूजन व पिता रामनयन विश्वकर्मा को दिया है।

श्री विश्वकर्मा जांगिड़ कर्मचारी समिति जोधपुर ने आयोजित किया दीपावली स्नेह मिलन सम्मेलन

जोधपुर। श्री विश्वकर्मा जांगिड़ कर्मचारी समिति जोधपुर के तत्वाधान में 10 नवम्बर को अरिहंत नगर स्थित छात्रावास में दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति के सभी सदस्यों ने एक दूसरे से मिलकर दीपावली की शुभकामनाएं एवं हार्दिक बधाइयां प्रकट की।

इस अवसर पर वरिष्ठ जनों का सम्मान भी किया गया। सम्मान समारोह का शुभारम्भ भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। समिति के अध्यक्ष रामदीन शर्मा ने सभी आगन्तुक सदस्यों को दीपावली की

हार्दिक बधाइयां देते हुए समाज के सम्मानित व्यक्तियों नंदलाल जांगिड़, चम्पालाल शर्मा, आसाराम जांगिड़ और इंदु शर्मा को मंचासीन करवाया। ओमप्रकाश पीडीहारिया, खेताराम सुथार, कैलाश जांगिड़, मंजूलता शर्मा एवं अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित हुए। समिति सचिव जसराज सुथार द्वारा मंच का संचालन किया गया। समारोह में लगभग 18 वरिष्ठजनों जिन्होंने अपनी आयु के 75 वर्ष पूर्ण कर चुके हैं उन्हें मोती-माला व साफा-शाल पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह के साथ भगवत गीता भेंट कर सम्मानित करके आशिर्वाद प्राप्त किया।

अपने संबोधन में अध्यक्ष रामदीन शर्मा ने छात्रावास में अगले माह 29 दिसम्बर 2019 को छात्रावास में किए जाने वाले विराट जांगिड़ युवक-युवती परिचय सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बतलाया कि आज समाज में इस तरह के आयोजन की बहुत बड़ी आवश्यकता है। अपने वयस्क पुत्र–पुत्रियों के लिए योग्य जीवनसाथी को तलाशने के लिए माता-पिता को कितनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, यह हम सब प्रतिदिन अनुभव कर रहे हैं। अतः इस तरह के आयोजन द्वारा समाज को बहुत बड़ा लाभ प्राप्त होगा।

परिचय सम्मेलन के निम्न उद्देश्य हैं–

-प्रत्येक युवक-युवती को उपयुक्त

जीवनसाथी के चयन हेतु एक मंच प्रदान करना।

-सुयोग्य वर वधू के चयन हेतु विस्तृत आधार प्रस्तुत करना।

-माता-पिता/अभिभावकों पर न्यूनतम व्यय भार।

-अल्पकाल में ही सुयोग्य वर–वधू के चयन की समस्या का निवारण।

-जांगिड़ समाज में चेतना एवं जागृति का संचार करना।

समिति के अध्यक्ष अध्यक्ष रामदीन शर्मा ने बताया कि पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र भरकर 15 दिसम्बर 2019 तक जमा करवाना होगा, आवेदन शुल्क 100/–रू0 है। युवक-युवतियों को अपने अभिभावकों के साथ 29 दिसम्बर 2019 को प्रातः 10:00 बजे छात्रावास में उपस्थित होकर मंच से अपना संक्षिप्त परिचय देना होगा। अंत में भजन गायक पंकज जायलवाल ने भगवान विश्वकर्मा का एक भजन प्रस्तुत कर वातावरण में प्रसन्नता की लहर पैदा की।

कांस्य पदक विजेता नितिन शर्मा का हुआ सम्मान

गाजियाबाद। कोरिया में आयोजित बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर नितिन शर्मा ने जिले के साथ ही समाज का भी नाम रोशन किया है। नितिन शर्मा गाज़ियाबाद जिले के निवासी हैं। पदक जीतकर अपने गृह जनपद आगमन के बाद जिले के लोगों व विश्वकर्मा समाज के लोगों ने नितिन को बधाई दी।

विश्वकर्मा समाज की तरफ से अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा के जिला अध्यक्ष सुखपाल विश्वकर्मा, जीएसटी अधिकारी प्रदीप विश्वकर्मा, अपना समाज विश्वकर्मा समाज के फाउंडर सुधीर शर्मा, प्रेमपाल पांचाल एवं मुकेश पांचाल आदि लोगों ने नितिन शर्मा का स्वागत करते हुये बधाई दी।

सामाजिक विकास के लिये संगठनों को तय करना होगा लक्ष्य

काश, समाज के निश्चित विकास के लिए सभी संगठन कुछ कार्यक्रमों पर अमल करते हुए लक्ष्य बनाते, जिससे कि समाज को लोकतांत्रिक व्यवस्था में सर्वश्रेष्ठ होने का गौरव प्रदान कराया जा सकता। समाज के पूर्ण विकास के लिए मेरा मत है कि सम्बंधित राज्यों के विधानसभा या लोकसभा चुनाव के पूर्व बहुत बड़ी रैली करते हुए अपनी ताकत का एहसास कराना। ऐसी ताकत का एहसास कराने के लिए दलगत व संस्था की भावना का त्याग करते हुए एक मंच पर आकर सभी नेताओं व समाजसेवियों को मिलकर स्वस्थ चेतावनी राजनीतिक दलों को देना कि हम सभी एक और संगठित हैं ताकि समाज के नेताओं को उनके दलों में उचित सम्मान व हक मिल सके।

गरीबी रेखा व अन्य आवश्यकता के अनुसार समाज के लोगों को चिन्हित करना, उन्हें उस वर्ग में सम्मिलित कराना ताकि सम्बंधित सरकारी योजना समाज के अधिकतर जरूरतमंदों को मिल सके। प्रधानमंत्री आवास के माध्यम से समाज के जरूरतमंद लोगों को घर, सभी छात्रों को संबंधित स्कूलों से स्कॉलरशिप दिलाना उद्देश्य होना चाहिए। विकलांग, वृद्धा, विधवावस्था की पेंशन पात्रों को अवश्य मिले यह सुनिश्चित कराना कर्तव्य होना चाहिए। चाहिए कि केंद्र व राज्य सरकार की सभी योजनाओं से समाज के लोगों को किसी भी कीमत पर लाभांवित कराया जा सके। ऐसी नीति व सिद्धांत का निर्धारण सभी संगठनों के लिए आवश्यक है।

लेखक-अरविन्द विश्वकर्मा
अध्यक्ष
राजनारायण सर्वजन उत्थान सेवा संस्थान, लखनऊ

संगठनों द्वारा प्रत्येक जिले व ब्लाक इकाई को मजबूत करना, ताकि घर-घर जाकर सभी लोगों का डाटा एकत्रित किया जा सके। जिससे कि विवाह योग्य वर व कन्या की वास्तविक जानकारी समय से हो सके और उनका विवाह एक तय उम्र तक समाज द्वारा भागीदारी निभाकर कराई जा सके। पढ़ने वाले छात्रों का अलग से डाटा तैयार करना जिससे कि सभी बच्चों को उनकी प्रतिभा के अनुसार शिक्षा प्राप्त हो सके, यह सुनिश्चित करना होगा। समाज को एक ऐसे संस्थान की स्थापना के लिए प्रयास करना होगा, जो कि विश्वकर्मा वंशियों को अतिरिक्त कौशल मुहैया कराकर किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफल कराने में सक्षम हो। ऐसे संस्थान से शिक्षित व प्रशिक्षित बच्चे समाज से संस्कार का ज्ञान तो पाएंगे ही साथ में ही उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। जिनकी समझ के सहारे समाज अंतर उपजातीय विवाह को बढ़ावा देकर भविष्य में विश्वकर्मा वंशजों की संख्याबल का प्रदर्शन तो करेगा ही, साथ में विश्वकर्मा वंशज हम पांच एक साथ स्वतः आ जाएंगे। निश्चित ही ऐसे प्रशिक्षित बच्चे समाज का आईना होंगे। वह स्वतः निर्धारित कर देंगे कि समाज में विभेद का कोई स्थान नहीं। वे भविष्य में श्रेष्ठ व सर्वश्रेष्ठ समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले होंगे। इसी के साथ प्रत्येक जिले से कम-से-कम 50 लोगों का एक स्वयंसेवक दल बनाना होगा, जो विषम परिस्थितियों में प्रत्येक विश्वकर्मा वंशी परिवारों की तत्काल मदद को उपलब्ध हो। इस प्रकार से संख्या बल के प्रदर्शन से पीड़ित को न्याय मिलने में देर नहीं लगेगी। संगठनों को चाहिए कि भगवान विश्वकर्मा की सम्बंधित संगठन की ओर से फोटो सभी को उपलब्ध कराया जाय ताकि धार्मिकता का प्रचार-प्रसार हो सके और भगवान विश्वकर्मा पर आधारित टीवी धारावाहिक की शुरूआत नितांत आवश्यक है।

अंत में विश्वकर्मा वंशियों के लिए सर्वाधिक खुशी की बात यह है कि हम प्रत्येक गांव में हैं। क्यों-ही न हमारी संख्या किसी विशेष गांव में एक ही परिवार हो। उन सबको इस तरह से उसी उपरोक्त संस्थान से क्रमबद्ध प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि वह संबंधित गांवों/क्षेत्रों में सबके चहेते बन सके। समाज के लोग जैसे ही स्थान विशेष में प्रतिनिधित्व करने लगेंगे, हम राजनीतिक रूप से मजबूत आधार स्तंभ की ओर बढ़ चलेंगे। जिससे कि भविष्य में प्रत्येक विश्वकर्मा वंशी जन्मजात ही राजनैतिक होगा और यह कहा जाएगा कि इसका जन्म ही सत्ता प्राप्त कर सेवा करने के लिए हुआ है।

इस बच्ची के बारे में जानकर हो जायेंगे हैरान आंख बंद कर करती है हैरतअंगेज कारनामें

इलाहाबाद। नैनी की नगरिया पब्लिक स्कूल में कक्षा 5 की 9 वर्षीय छात्रा एंजेलिना विश्वकर्मा (अनुष्का) के अनोखे कारनामें जानकर आप हैरान हो जायेंगे। यह बच्ची अपनी आंखों पर पट्टी बांधकर बहुत ही अनोखे कार्य कर सकती है। जैसे- आंख बंद करके किताब पढ़ना, किसी भी नोट का नंबर और वर्ष बताना, किसी कार्डसीट को छूते ही उसका रंग बताना, किसी भी किताब को पढ़ना और पेज नम्बर बताना, छोटी सुई में धागा पार करना, किसी के शरीर के अंदर के अंगों को देखने की क्षमता, किसी भी व्यक्ति का आभामंडल (Aura) को देखने की क्षमता, पानी को दी गयी सूचना में बने फिगर को देखने की क्षमता, बारीक से बारीक लिखे अक्षर को बिना लेंस के देखना और पढ़ने की क्षमता, लूडो खेलना, पिक्चर बनाना, पेंट करना, किसी भी व्यक्ति के शरीर के सातो चक्र (Seven Chakra) को देखने की क्षमता, कंप्यूटर और लैपटॉप पे कार्य करना, रात में आकाश के चाँद और तारे देखना, किसी भी वस्तु (Object) को अपनी आवश्कता के अनुसार बड़ा-छोटा करने की क्षमता इस छोटी बच्ची मे हैं।

यह बच्ची भी सभी बच्चों की तरह साधारण है, पर इस बच्ची ने मेडिटेशन और ध्यान के द्वारा अपने अंदर ये हुनर विकसित किया है। यह बच्ची दिन-प्रतिदिन कुछ नया-नया सीखती रहती है। जो भी कार्य हम सभी अपनी खुली आंखों से करते हैं, वह कार्य ये बच्ची बंद आँखों से उससे कहीं बेहतरीन और अच्छे तरीके से करती है। जिस भी वस्तु को देखने में ये आँखे अस्मर्थ है, उसे बंद आँखों से देखने के साथ-साथ ये अपने सातो चक्र (Seven Chakra) और अपना आभामंडल (Aura) स्वयं देख सकती है। ये बच्ची बताती है कि मेरा आत्मविश्वास पहले से बढ़ा है, मन शांत रहता है, गुस्सा नहीं आता, प्रकृति से जुड़े रहने और इसे जानने की इच्छा बढ़ती है, नई-नई चीजें सीखने और जानने की जिज्ञासा हमेशा रहती है। बच्ची ने अपनी इस अद्भुत कला का प्रदर्शन अपने विद्यालय के साथ ही कई जगह किया है। इस कला के लिये बच्ची एंजेलिना विश्वकर्मा को कई जगह सम्मानित भी किया जा चुका है। यह बच्ची हैरत भरे कारनामे दिखाते हुए अपने स्कूल, आस-पास और शहर में चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ हैमर पुरूष शिवू मिस्त्री का नाम

गया। पहाड़ तोड़कर रास्ता बनाने वाले दशरथ मांझी को फ्री छेनी–हथौड़ा देने वाले शिवू मिस्त्री का नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है। हैमर मैन शिवू मिस्त्री ने दशरथ मांझी को 22 साल तक फ्री छेनी-हथौड़ा दिये पहाड़ तोड़कर रास्ता बनाने के लिए। इस ऐतिहासिक व साहसिक सेवा के लिए हैमर पुरूष शिवू मिस्त्री का नाम वर्ष 2019 में हाई रेंज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है।

विदित हो हैमर पुरूष शिवू मिस्त्री गया जिले के वजीरगंज प्रखण्ड के दखिनगांव ग्राम के निवासी हैं। वे वजीरगंज बस पड़ाव के पास शिव कॉलोनी में रहते हैं। ज्ञात हो कि उस ऐतिहासिक छेनी और हथौड़े को गया संग्रहालय में सुरक्षित रखा गया है। उनकी इस उपलब्धि पर बिहार ही नहीं, भारत को गर्व है। वे गरीब दशरथ मांझी को 22 वर्ष तक निःशुल्क छेनी-हथौड़ा देकर उनके हौसले में जान फूंकते रहे। उनके दिए छेनी-हथौड़े के बल पर दशरथ मांझी ने पहाड़ का सीना चीरकर आमजनों के लिए 30 फीट का सुगम राह बनाई, जो अद्भुत तो है ही, ऐतिहासिक भी।

हथौड़ा पुरूष शिवू मिस्त्री ने दशरथ मांझी को माऊंटेन मैन (पर्वत पुरूष) बना दिया। वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपने नाम का स्थान पाकर बेहद हर्षित हैं हैमर पुरूष शिवू मिस्त्री। उन्होंने कहा कि वर्ष 1960 से 1982 तक लगातार फ्री में छेनी- हथौड़ा दिया पहाड़ तोड़ कर रास्ता बनाने के लिए। अगर हम छेनी-

हथौड़ा नहीं देते तो दशरथ मांझी का सपना साकार नहीं हो पाता। शिवू मिस्त्री ने बताया– 'दशरथ मांझी ने कहा कि उनके पास रूपया-पैसा नहीं, मेरे पास फूटी कौड़ी भी नहीं है। तब मैंने उसे भरोसा देते हुए कहा कि जाओ पहाड़ तोड़ो, जितना छेनी-हथौड़ा लगेगा, फ्री दूंगा। इसी बात पर मैं उसे फ्री छेनी-हथौड़ा देता गया, और वह पहाड़ तोड़ता रहा। आखिरकार, पहाड़ तोड़ कर रास्ता बना कर ही दम लिया। जो बहुत बड़ी उपलब्धि है।'

साभार– अंज न्यूज मीडिया

रजि० नं०: 2689

ॐ कंचन काया

Yoga Naturopathy & Acupressure Center

ॐ कंचनकाया चिकित्सा एवं प्रशिक्षण केन्द्र में प्राकृतिक चिकित्सा, योग चिकित्सा एवं एक्यूप्रेशर द्वारा शारीरिक एवं मानसिक व्याधियों का समाधान तथा योग प्राकृतिक चिकित्सा एवं एक्यूप्रेशर द्वारा चिकित्सा का प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

योग अभ्यास की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप अभ्यास की सुविधा :–

☞ व्यक्तिगत योगाभ्यास की सुविधा।
☞ आवास पर योग प्रशिक्षण।
☞ केन्द्र पर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की सेवा।
☞ शारीरिक व्याधि जैसे मधुमेह, मोटापा, जोड़ों का दर्द, कब्ज, उच्च रक्तचाप, निम्न रक्तचाप, महिलाओं की मासिक धर्म से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान।
मानसिक व्याधि जैसे– अवसाद, अनिद्रा, अतिनिद्रा इत्यादि।

18/357, Indira Nagar
Lucknow
Mob.- 7355206306

डा0 पूनम शर्मा, प्राकृतिक चिकित्सक एवं योग विशेषज्ञ

Bhavya Decor
Interior's HUB

MODULAR KITCHEN & WARDROBE'S

E-mail: bhavyadecor@yahoo.com , www.bhavyadecor.com

90445 00999

धान की भूसी से पक रहा है खाना, 7वीं पास अशोक ठाकुर के इनोवेशन ने किया कमाल

चम्पारण। अक्सर किसान खेतों में फसल के बाद बचने वाले जैविक कचरे को यूँ ही जला देते हैं। लेकिन इस कचरे का अगर सही ढंग से इस्तेमाल किया जाये तो यही कचरा ग्रामीणों के लिए पारम्परिक ईंधन का एक अच्छा विकल्प हो सकता है और साथ ही एक अतिरिक्त आय का साधन भी। बस जरूरत है तो ऐसे लोगों की, जिनके पास कचरे में से खजाना खोज निकालने का नजरिया हो।

बिहार के पूर्वी चम्पारण जिले के मोतिहारी के रहने वाले 50 वर्षीय अशोक ठाकुर ऐसे ही लोगों की फेहरिस्त में शामिल हैं। लोहे का काम करने वाले अशोक ने कभी भी नहीं सोचा था कि उन्हें कभी अपने एक जुगाड़ के चलते ह्यइनोवेटरह्न कहलाने का मौका मिलेगा।

सातवीं कक्षा के बाद अपनी पढ़ाई छोड़ देने वाले अशोक ने अपने पिता से लोहे का काम सीखा। उनके पिता की एक छोटी-सी वर्कशॉप थी और आज अशोक उसे ही संभाल रहे हैं। लोगों के घरों के लिए लोहे का काम करने वाले अशोक, लोहे के चूल्हे आदि भी बनाते हैं। लोहे के चूल्हे ज्यादातर कोयले या लकड़ी के बुरादे जैसे ईंधन के लिए कारगर होते हैं। परन्तु फिर भी अशोक को कुछ अलग करने की सूझी। अशोक ने बताया– 'बिहार में धान बहुत होता है क्योंकि हमारे यहाँ चावल ही ज्यादा खाया जाता है। मैं हमेशा से देखता था कि चावल निकालने के बाद धान की भूसी को फेंक दिया जाता था। हर घर में धान की भूसी आपको यूँ ही मिल जाएगी तो बस फिर ऐसे ही दिमाग में आया कि हम इसे ईंधन के जैसे क्यों नहीं इस्तेमाल करते।'

लेकिन लोहे के जो पारम्परिक चूल्हे अशोक बनाते थे, उनमें धान की भूसी ईंधन के रूप में ज्यादा समय के लिए कामयाब नहीं थी। इसलिए उन्होंने इस चूल्हे को मॉडिफाई करके भूसी के चूल्हे का रूप दिया। अशोक कहते हैं कि उन्होंने जो भी किया वह उनके सालों के अनुभव से किया। उनके पास कोई फिक्स डिजाईन या कोई लेआउट नहीं था, उन्होंने बस अपने आईडियाज पर काम किया।

भूसी से जलने वाला चूल्हा–

इस चूल्हे की खासियत यह है कि इसे कहीं भी लाया-ले जाया सकता

है क्योंकि इसका वजन सिर्फ 4 किलो है। इसमें धान की एक किलो भूसी लगभग एक घंटे तक जल सकती है। यह चूल्हा धुंआ-रहित है और इसे कहीं भी इस्तेमाल किया जा सकता है। अशोक बताते हैं कि जब उन्होंने इस चूल्हे को सफलतापूर्वक बना लिया तो उनके इलाके के लोगों ने हाथों-हाथ इसे खरीदा। क्योंकि सबके घरों में भूसी तो आसानी से उपलब्ध थी ही और अब इस चूल्हे की वजह से उन्हें अन्य किसी ईंधन पर खर्च करने की जरूरत नहीं होती। साल 2013 में उन्होंने इस चूल्हे को बनाया था और अभी भी लगातार उनका यह चूल्हा डिमांड में है।

'सिर्फ बिहार में ही नहीं, बाहर के लोगों को भी इसके बारे में पता चला। अब बाहर से भी हमारे पास लोगों के फोन आते हैं और वे यह चूल्हा मंगवाते हैं।' अशोक ने अपनी लागत और मेहनत के हिसाब से चूल्हे की कीमत भी ज्यादा नहीं रखी है। आप उनसे यह चूल्हा मात्र 650 रुपये में खरीद सकते हैं।

नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन ने दी पहचान–

साल 2013 में 'ज्ञान और सृष्टि' के फाउंडर, अमित गुप्ता को अपनी शोधयात्रा के दौरान अशोक के इस अनोखे जुगाड़ को देखने और समझने का मौका मिला। उन्होंने नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन के इनोवेटर्स की लिस्ट में अशोक का नाम भी शामिल कर लिया। अनिल गुप्ता के साथ तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल को भी अशोक ठाकुर ने अपना इनोवेशन दिखाया। इसके बाद, इस चूल्हे को टेस्टिंग के लिए IIT गुवाहाटी और दिल्ली के TERI

यूनिवर्सिटी भेजा गया। वहां से मिली रिपोर्ट्स के मुताबिक यह चूल्हा ग्रामीण इलाकों में हर मौसम में कारगर है। इसके बाद NIF ने अशोक ठाकुर की तरफ से इस चूल्हे पर उनका पेटेंट भी फाइल किया है।

ग्रामीणों के लिए बना रोजगार का साधन–

इस इनोवेशन के बाद बहुत से लोगों के लिए धान की भूसी एक रोजगार का साधन हो गयी। बहुत-से किसान अब इसे फेंकने की बजाय बाजारों में इसे 10 रुपये किलोग्राम की दर से बेचते हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं हो सकती कि हमारे देश में जुगाड़ और जुगाड़ करने वालों की कोई कमी नहीं है। हम कहीं भी अपने लिए रोजगार का तरीका निकाल सकते हैं, बस जरूरत है तो कुछ अलग-हटके देखने के नजरिए की।

गजल

गमगुसारों की और दुनिया है
गम से हारों की और दुनिया है
सुर्ख सूरज के हैं मिजाज अलग
चाँद तारों की और दुनिया है।
जाने क्या अश्क देने वाले ये
अश्कबारों की और दुनिया है
भीड़ से तू अलग मकाम बना
बहते धारों की और दुनिया है।
सब परिंदें बखूबी वाकिफ हैं
खुश्क ड़ारों की और दुनिया है।

बलजीत सिंह 'बेनाम'
सम्प्रतिः संगीत अध्यापक
विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में रचनाएँ प्रकाशित
विभिन्न मंचों द्वारा सम्मानित
आकाशवाणी हिसार और रोहतक से काव्य पाठ
सम्पर्क सूत्रः103/19 पुरानी कचहरी कॉलोनी, हाँसी-125033
मोबाईलः 9996266210

विश्वकर्मा समाज को आबादी के हिसाब से मिले हिस्सेदारी– रामआसरे विश्वकर्मा

रिपोर्ट– गंगाराम विश्वकर्मा

मुम्बई। उत्तर प्रदेश के पूर्व शिक्षा मन्त्री व अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामआसरे विश्वकर्मा ने विश्वकर्मा समाज की आबादी के हिसाब से लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और सरकार में पूरी हिस्सेदारी की मांग करते हुए कहा कि सरकार द्वारा दी जा रही सभी सुविधाओं में विश्वकर्मा समाज की पूरी हिस्सेदारी तय किया जाये।मालाड (पश्चिम) स्थित धूड़मल बजाज हाल में कारपेन्टर्स वेलफेयर एसोसिएसन की ओर से आयोजित वार्षिक समारोह में उन्होंने कहा कि हमारे लोहे और लकड़ी के कारोबार तथा रोजगार के लिये कानून बनाया जाये और विकास के लिये नीति बनायी जाये। आरक्षण के तहत विश्वकर्मा समाज के युवकों को नौकरी दी जाये। इस अवसर पर इस वर्ष का 'विश्वकर्मा रत्न' पुरस्कार समाजसेवी रामसूरत विश्वकर्मा को दिया गया।

पूर्व मन्त्री श्री विश्वकर्मा ने राम सूरत विश्वकर्मा को बधाई देते हुए कहा

कि जिस सेवा के लिये आपको यह पुरस्कार दिया गया है, वह समाजसेवा आजीवन जारी रखनी चाहिये। उन्होंने कहा कि सम्मान के साथ-साथ अधिकार मिलने से व्यक्ति का स्वाभिमान बढ़ता है और व्यक्ति हीनता की भावना त्यागकर समाज के उन्नति के शिखर पर पहुंचता है। सपा को विश्वकर्मा समाज की हितैषी पार्टी बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की सपा सरकार ने विश्वकर्मा पूजा को सरकारी छुट्टी घोषित कराकर विश्वकर्मा समाज का सम्मान बढ़ाया था, लेकिन भाजपा की सरकार बनते ही उसे निरस्त कर दिया गया। यह विश्वकर्मा समाज का अपमान है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की सरकार में विश्वकर्मा समाज के इण्टर पास छात्रों को आईटीआई का प्रमाण पत्र और वर्कशाप के लिये ग्रामसभा जमीन का पट्टा देने का आदेश जारी करके विश्वकर्मा समाज को मजबूत किया था। भाजपा राज में

कारपेन्टर सम्मेलन में बोले पूर्वमन्त्री-
लोहे और लकड़ी के कारोबार के लिये सरकार बनाये कानून। लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा में विश्वकर्मा समाज को मिले अनुपातिक भागीदारी।
भगवान विश्वकर्मा और उनके वंशजों का इतिहास घर-घर पहुंचाने की जरूरत।

विश्वकर्मा समाज पर लगातार उत्पीड़न और अत्याचार हो रहा है। न तो सरकार सुनवाई कर रही है और न पुलिस कार्यवाही कर रही है। पूर्व मंत्री ने कहा कि सपा सरकार में रामआसरे विश्वकर्मा को उच्चशिक्षा मंत्री बनाया गया। अगर उत्तर प्रदेश में विश्वकर्मा समाज के व्यक्ति को विधायक और मंत्री बनाया जा सकता है तो दूसरे राज्यों में क्यों नहीं।

श्री विश्वकर्मा ने कहा कि हम अनेक संस्थाओं और पार्टियों में बंटे और बिखरे होने के कारण एकजुट नहीं हो सके। यही हमारे पिछड़ेपन का सबसे बड़ा कारण है। अब सभी को एकजुट होने की जरूरत है, ताकि विश्वकर्मा समाज के सम्मान और स्वाभिमान और हिस्सेदारी की लड़ाई लड़ी जा सके। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समाज का इतिहास सही रूप से देश के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया गया, जिसके कारण आज हम निर्माणकर्ता से मालिक न बनकर केवल मजदूर बनकर रह गये। हमारी वास्तविक पहचान आज तक नहीं बन पायी। यही कारण है कि विश्वकर्मा समाज की पूरे देश में उपेक्षा हो रही है। हमें भगवान विश्वकर्मा और उनके वंशजों के इतिहास को जन-जन तक पहुंचाना होगा।

समारोह में राज्य मंत्री संजय उपाध्याय ने कहा कि देश के निर्माण में विश्वकर्मा समाज का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमन्त्री मोदी का सबको घर देने की महत्वाकांक्षी योजना को विश्वकर्मा समाज के कारीगरी से ही पूर्ण किया जायेगा। इस अवसर पर कालूराम लोहार, घनश्याम पंवार, जयकिशन शर्मा सहित विश्वकर्मा समाज की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएसन के अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण विश्वकर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा मुम्बई अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने आभार व्यक्त किया। गोदरेज लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल फिटिंग्स एंड सिस्टम्स, एंकर प्लाईवुड, एवेरेस्ट बोर्ड्स और यूरो सिंथेटिक वुड एडहेसिव प्रायोजित समारोह में लोकगायक सुरेश शुक्ल व गायिका राधा मौर्य ने सामयिक लोकगीत प्रस्तुत किया।

एक मुहिम एकता की

लखनऊ। एकता की जो भी कल्पना की जाए, उसमें एक बंधन अवश्य होना चाहिए। यदि बंधन नहीं तो एकता की कल्पना करना संभव ही नहीं। विश्वकर्मा समाज के लिए सामाजिक रूप से केवल एक ही विकल्प है वह विकल्प विश्वकर्मा वंशीय होना है। उसका कारण स्पष्ट है कि विश्वकर्मा वंशीय लोग क्षेत्रवाद और कर्मवाद के आधार पर बंटे हुए हैं। मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी, दैवज्ञ सभी के वर्तमान में आधार स्तंभ अलग हो चुके हैं। रही सही कसर क्षेत्रवाद के आधार पर विभिन्न उपनामों और भौगोलिक तथा स्थानीय परिस्थितियों ने पूरी कर दी है।

ऐसी विषम परिस्थितियों के कारण ही हम सब अलग-थलग पड़े हुए हैं। जिससे कि संख्याबल कहीं भी प्रदर्शित नहीं हो पाता और संख्याबल का प्रदर्शन न होना, सत्ता की भागीदारी से दूर कर देता है। यदि सत्ता का सहयोग नहीं तो विकास की कल्पना साकार होना मुश्किल हो जाता है। विभिन्न मत भिन्नता के बाद भी हम सभी भगवान विश्वकर्मा के वंशज होने पर गौरवान्वित महसूस करते हैं। यही वह वर्तमान का धागा है जिसके बंधन में हम बिना किसी संकोच के बंधना स्वतः स्वीकार्य करते हैं।

सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने वाले व्यक्तियों या व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के अतिरिक्त, अन्य के संदर्भ में यह कहा जा सकता है कि अधिकतर लोगों के घरों में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा भी नहीं होती। निश्चित ही भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा सभी के घरों में उपलब्ध होने से हमारे बच्चे बचपन से ही यह समझेंगे कि हम भगवान विश्वकर्मा के वंशज हैं। उनके प्रति आस्था बढ़ेगी और वंशीय बंधुओं तथा परिवारों से आपसी लगाव भी। किसी भी व्यक्ति विशेष के द्वारा सभी के घरों के लिए ऐसी प्रतिमा भेंट करना संभव नहीं है। अतः ऐसी सोच को लेकर अरविन्द विश्वकर्मा (वरिष्ठ समाजसेवी, लखनऊ) द्वारा एक मुहिम की शुरूआत की गई है। जिसके अंतर्गत एक निश्चित धनराशि प्रति प्रतिमा लेकर भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा देने वाले का नाम, व्यवसाय या संस्था व सम्पर्क नम्बर के साथ अन्य को पूरे देश में सप्रेम भेंट की जानी है। जिसके अंतर्गत प्रथम चरण में राजू विश्वकर्मा अम्बेडकरनगर सदस्य राजनारायण सर्वजन उत्थान सेवा संस्थान, आचार्य आशुतोष विश्वकर्मा दिल्ली संस्थापक अध्यक्ष विश्वकर्मा विकास एवं सुरक्षा समिति तथा इसी संस्था के अनिल विश्वकर्मा दिल्ली राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, रामबाबू विश्वकर्मा प्रदेश कोषाध्यक्ष दिल्ली व सरयू प्रसाद विश्वकर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष दिल्ली,

त्रिलोकीनाथ विश्वकर्मा बहराइच त्रिलोकी मोबाइल सेंटर लखनऊ, सूरज विश्वकर्मा मुंबई Director dynamite technology private limited, रविकांत विश्वकर्मा जिला उपाध्यक्ष भगवा रक्षा वाहिनी आजमगढ़, रवीन्द्र विश्वकर्मा इलाहाबाद ग्राफिक डिजाइनर एवं डेवलपर, पवन शर्मा जर्नलिस्ट एवं प्रदेश महासचिव विश्वकर्मा विकास एवं सुरक्षा समिति उत्तर प्रदेश, सुरेश हीरालाल विश्वकर्मा जौनपुर director F1 print solution and services एवं सम्पादक विश्वकर्मा किरण पत्रिका कमलेश प्रताप विश्वकर्मा के सहयोग से शुरू की गई।

यह खबर लिखे जाने तक भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा महेंद्र विश्वकर्मा, राजेश विश्वकर्मा, सीपी शर्मा, राकेश विश्वकर्मा, उमेश कार्तिक विश्वकर्मा, राम प्रकाश विश्वकर्मा, दीपक विश्वकर्मा तथा केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सप्रेम ससम्मान भेंट की जा चुकी है।

प्रतिमा प्राप्त करने वाले सभी बंधुओं ने इस मुहिम को आगे बढ़ाने में सहयोग किया है। अरविन्द विश्वकर्मा ने बताया कि इस मुहिम से जुड़ने के लिए तथा अपने नाम की प्रतिमा अन्य को भेंट करने व प्राप्त करने के लिए उनके मोबाइल नंबर 94511 51234 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

लोहा पीटने वाले अशोक विश्वकर्मा ने 1975 में बनवाया था विश्वकर्मा मन्दिर

लखनऊ। अशोक विश्वकर्मा खुद तो 50 साल से सड़क के किनारे लोहा पीट रहे हैं पर उमड़े आस्था के सैलाब ने सन 1975 में ही भगवान विश्वकर्मा का मन्दिर बनवा दिया था। मूल रूप से मऊ जिले के रैकवारा डीह निवासी अशोक विश्वकर्मा के पिता काफी पहले लखनऊ आ गये थे। अशोक ने सदर बाजार के पास सड़क के किनारे लोहा पीटने का काम शुरू किया। कुछ दिन बाद ही उनके मन में भगवान विश्वकर्मा का मन्दिर बनवाने का विचार आया। उनके आस्था के उमड़े सैलाब ने सन 1975 में ही वहीं सड़क के किनारे भगवान विश्वकर्मा का मन्दिर बनवा दिया। बाद में मन्दिर की साज–सज्जा अच्छी हो गई।

अशोक विश्वकर्मा प्रतिदिन मन्दिर में भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने के बाद अपना काम शुरू करते हैं। पहले तो वह मन्दिर से सटे भू–भाग पर लोहा पीटने का काम करते थे, 10 साल से मन्दिर के ठीक सामने दूसरी पटरी पर कार्यस्थल बनाया। उदयगंज से सदर की तरफ जाने वाले मार्ग पर बने ओवरब्रिज के नीचे से जाने पर नाले से पहले बायीं तरफ भगवान विश्वकर्मा के दर्शन होते हैं तो दाहिनी तरफ अशोक विश्वकर्मा अपनी रोजी–रोटी में व्यस्त लोहा पीटते नजर आते हैं। अशोक कहते हैं कि वह प्रतिदिन भगवान का दर्शन कर प्रसन्न रहते हैं।

भगवान विश्वकर्मा मन्दिर के सामने दूसरी पटरी पर अपने कार्य में व्यस्त अशोक विश्वकर्मा

श्री लुहार सुथार ज्ञाति हित्तेसक मंडल दत्तपाडा बोरीवली में डांडिया कार्यक्रम सम्पन्न

मुम्बई। विश्वकर्मा के वागड मेवाड़ा सुथार समाज बोरीवली ईस्ट में श्री विश्वकर्मा स्टूडियो भिमासर रापर कच्छ के विश्वकर्मा समाज की मधुर सिंगर रमिलाबैन सुथार व युवा सिंगर परेशभाई सुथार व दीपकभाई सुथार के मग्धमही मीठी वाणी मे डांडिया रॉस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम श्री लुहार सुथार ज्ञाति हित्तेसक मंडल दत्तपाडा बोरीवली में सम्पन्न हुआ। आयोजक कमेटी श्री कच्छ वागड मेवाड़ा सुथार समाज बोरीवली द्वारा समाज के होनहार बच्चों का मंच पर स्वागत किया गया व पुरस्कार दिया गया।

इस मौके पर वार्षिक कैलेन्डर व समाज में बेटी पढ़ाओ–बेटी बचाओ पर समाज बंधुओ ने अपने–अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर अन्तर्राष्ट्रीय योगगुरु नीलेश पांचाल व समाजसेवी शिवलाल सुथार ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर समाज के लोगों ने एकता व प्रेमभाव डांडिया रॉस व महाप्रसाद का आनन्द लिया।

स्त्रियों का स्थान

लेखक-
सत्यनारायण
छात्र- राजनीतिविज्ञान
बनारसीलाल सर्राफ वाणिज्य
महाविद्यालय, नवगछिया
तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय
मो0: 8877211531
6202576559

स्त्रियां जन्म से मृत्यु तक पराधीन होती हैं। जन्म लेते ही बालिकायें पिता के संरक्षण में पिता के आदेशानुसार ही अपना संव्यवहार एवं कर्तव्य का निर्वहन करती हैं। वयस्क होने पर विवाहोपरान्त स्त्रियों के पति ही उनके संरक्षक बन जाते हैं और प्रत्येक स्त्री का अपने पति के आदेश का अनुपालन ही उनका कर्तव्य हो जाता है। स्त्रियों के वृद्धावस्था आने पर वह पुत्रों के आदेशाधीन हो जाती हैं। पुरुष को अपनी जननी को अबला कहना कितनी शर्मनाक एवं दुःखद है। स्त्री के अधिकार को पुरुष ने पशुबल से छीना है। स्त्री पुरुष से किस बात मे घट कर है जिससे विरासत में उसका भाग पुरुष से कम होता है। यह भाग तो बराबर होना चाहिए। कानून की नजर में स्त्री एवं पुरुष में किसी भी प्रकार की असमानता नहीं होनी चाहिए।

हालाकि हिन्दू उत्तराधिकार से अधिनियम (संशोधन) 2005 में पुत्रियों का पुत्र के समान सम्पति में अधिकार प्राप्त हो गया है। स्त्रियों में ज्यों-ज्यों शिक्षा बढ़ेगी, त्यों-त्यों वह अपने अधिकार को समझेंगी और अपने अधिकार की मांग करेंगी। वर्तमान में महिला कुछ जागृत हुई हैं। सरकार भी घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम बनायी है। स्त्रियों के माता-पिता का दायित्व और कर्तव्य है कि अपनी पुत्रियों को शिक्षित एवं स्वावलंबी बनाएं। जैसे ही स्त्रियां स्वाबलंबी होंगी वह पुरुष की प्रताड़ना से कोसो दूर हो जाएंगी। क्योंकि स्त्रियां स्वाबलंबी एवं शिक्षित होने पर पवित्र जीवन बिताने में पूर्ण सक्षम हो जायेंगी।

स्त्रियों का कर्तव्य है कि वह वातावरण को शुद्ध रखें, अपने निश्चय को दृढ एवं अटल बनावें, अपनी सभ्यता एवं संस्कृति के सर्वोत्तम तत्व का पोषण करें एवं उनके दोषों को दूर करें। स्त्रियों को हमेशा सीता, द्रोपदी, सावित्री, दमयंती आदि सती नारियों के आदर्शों को ध्यान में रखते हुए प्रगति पथ आगे बढ़ना चाहिये। वह सारी बाधाओं को दूर करने में सक्षम होंगी। सरकार स्त्रियों के उत्थान के लिए समय-समय पर नियम बना रही है लेकिन सिर्फ सरकार के नियम बनाने से ही स्त्रियों का उत्थान नहीं होगा। सरकार का कर्तव्य है कि स्त्रियों के उत्थान के लिए निर्मित नियमों का कठोरता से पालन करवाये। इससे भी सरल है कि हम प्रबुद्ध नागरिक यदि स्त्री विमर्श कर जनजागरण लावें एवं स्त्रियों के उन्नति के राह में पड़ने वाले रोड़े को हटा दें तो स्त्रियों का शीघ्र उत्थान हो जायेगा। इसमें स्त्रियों को भी निर्भय होकर महिला सशक्तिकरण का प्रभाव दिखाना चाहिए। हमारे पूज्य बापूजी स्त्री उत्थान के लिए सदा प्रयास करते रहे। हमें बापू के सपनों को साकार करने के लिए, बापू के आदर्शों पर चलकर स्त्रियों का सम्मान करना चाहिए एवं स्त्रियों को उत्थान में हर संभव मदद करना चाहिए। देश के विकसित होने के लिए पुरुषों के साथ स्त्रियों का भी विकास अतिव्यापक है। हम लोग स्त्री के विकास के लिए संकलित होवें।

बचपन पर गहराते संकट के बादल

ये दौलत भी ले लो,
ये शोहरत भी ले लो
भले छीन लो
मुझसे मेरी जवानी,
मगर मुझको लौटा दो
बचपन का सावन
वो कागज की कश्ती,
वो बारिश का पानी.....

भारत में प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। जो सपने चाचा नेहरू ने बच्चों के खुशहाल जीवन को लेकर देखे थे, उनमें से आज कई धूमिल होते नजर आ रहे हैं। आज भी देश के करोड़ों बच्चे दो जून की रोटी के लिए मोहताज हैं। जिस उम्र में बच्चों के हाथों में स्कूल जाने के लिए किताबों से भरा बस्ता होना चाहिए, उस उम्र में वे मजदूरी करने को मजबूर हैं। ये विषम हालात ही हैं जो बच्चों को उम्र से पहले बड़ा बना रहे हैं। निःसंदेह बच्चे किसी देश का वर्तमान ही नहीं बल्कि भविष्य भी होते हैं। अतः जिस देश के बच्चे वर्तमान में जितने महफूज व सुविधा-संपन्न होंगे, जाहिर है कि उस देश का भविष्य भी उतना ही उज्ज्वल होगा। लेकिन इसके विपरीत भारत में बाल का हाल किसी से छिपा नहीं है। देश में बाल श्रम अधिनियम (14 वर्ष से कम बच्चों से मजदूरी व जोखिम वाला काम करवाना अपराध है) व बाल मजदूरी कानून होने के बाद भी कोई न कोई छोटू किसी न किसी होटल या ढाबे पर बर्तन धोता या टेबल पर चाय परोसता मिल ही जाएगा।

लेखक-
देवेन्द्रराज सुथार
पता- गांधी चौक, आतमणावास,
बागरा, जिला-जालोर, राजस्थान
मोबाइल- 8107177196

गौरतलब है कि भारत में 60 मिलियन बच्चे बाल मजदूरी में संलग्न हैं। देश की सड़कों पर आए दिन कोई न कोई बच्चा फटे कपड़ों में भीख मांगता, 26 जनवरी व 15 अगस्त जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर झंडे बेचता और ट्रैफिक सिग्नल पर सलाम करता मिल ही जाएगा। यूनिसेफ ने तो इन बच्चों को स्ट्रीट चिल्ड्रन के नाम पर 2 भागों में वर्गीकृत किया है। एक तो वे बच्चे जो सड़कों पर भीख मांगते हैं और दूसरे वे जो सामान बेचते हैं। मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक लगभग 1 करोड़ बच्चे सड़कों पर रहते हैं और काम करते हैं। ऐसे में जिस देश के बच्चे पढ़ नहीं पा रहे हैं, उस देश के विकसित होने का सपना देखना बेमानी ही होगा। हालांकि देश में सर्वशिक्षा अभियान के तहत हर बच्चे को शिक्षा देने का दावा सरकार करती है लेकिन सरकारी शिक्षा की गुणवत्ता न के बराबर है। यही कारण है कि सरकारी स्कूल के बच्चों व निजी स्कूलों के बच्चों की शिक्षा के स्तर में रात-दिन का अंतर नजर आता है। सरकारी स्कूलों में प्रवेश के लिए मिड-डे मील, निःशुल्क किताबें व कम फीस का ऑफर देकर सरकार केवल खानापूर्ति ही कर रही है। यह भी सच है कि आज संपन्न अभिभावक तो अपने बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ने के लिए भेज ही रहे हैं, साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर अभिभावक भी अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए उनका दाखिला निजी स्कूलों में करवा रहे हैं, फिर भले ही इसके लिए उन्हें रात को भूखा ही क्यों न सोना पड़े। वहीं दूसरी ओर देश में हर दिन किसी न किसी बच्चे को यौन शोषण का शिकार होना पड़ रहा है। रिपोर्ट तो यह कहती है कि हर 3 घंटे में एक बच्चे को बाल यौन शोषण का शिकार होना पड़ता है। सच्चाई यह भी है कि बच्चों को अपनी हवस का शिकार बनाने वाले अधिकतर इनके परिजन ही होते हैं।

हालांकि बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए सरकार ने 2012 में पोक्सो (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफिंस) एक्ट बनाया लेकिन यह बेअसर साबित हो रहा है। यह भी चौंकाने वाला सच है कि देश में हर साल 5 साल से कम उम्र के 10 लाख बच्चे कुपोषण के कारण मर जाते हैं। भारत कुपोषण की श्रेणी में दक्षिण एशिया का अग्रणी देश है। भारत में राजस्थान व मध्य प्रदेश का हाल तो और भी बुरा है। इन हालातों में केवल एक दिन बच्चों के विकास और स्वर्णिम भविष्य को लेकर चर्चा करना कितना वाजिब है? क्या अब भी बच्चों की

दुर्दशा व इस भयावह स्थिति को लेकर हमें सचेत होने की आवश्यकता नहीं है? वहीं गृह मंत्रालय ने एक आरटीआई के जवाब में यह साफ किया है कि देश में प्रतिवर्ष 90 हजार बच्चे गुम हो जाते हैं। एक गैर-सरकारी संगठन की रिपोर्ट के अनुसार एक घंटे में करीबन 11 बच्चे लापता हो जाते हैं। लापता हुए बच्चों में से अधिकतर बच्चे शोषण के शिकार हो जाते हैं। इनमें से ज्यादातर बच्चे अपने घर लौट ही नहीं पाते।

इन सबके बाद यह सोचनीय है कि अब बचपन बचा कहां है? गलियां सुनसान हैं और मैदान जितने भी बचे हैं, वे वीरान हैं। दरअसल गलियों में धमा-चौकड़ी करने वाला बचपन आज इंटरनेट के मकड़जाल में फंसता जा रहा है। यही कारण है कि बच्चों को अपने होमवर्क के बाद जो समय मिल रहा है, उसे वे सोशल साइट्स व गेम्स खेलने में गंवा रहे हैं, इसके कारण उनकी आंखों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है तथा वे चिड़चिड़ेपन का शिकार हो रहे हैं। हाल ही में ब्लू व्हेल व पबजी नामक मोबाइल गेम के कारण भारत में एक के बाद एक बच्चों द्वारा आत्महत्या करने की खबर ने सबको हैरत में डाल दिया है। आखिर ऐसी नौबत क्यों आई? क्योंकि बच्चों को कभी भी अभिभावकों ने मैदान में खेलने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया। कभी मैदान में खेले जाने वाले खेलों के प्रति उनकी जिज्ञासा उत्पन्न करने की कोशिश ही नहीं हुई। इसका कारण धनोपार्जन की अंधी दौड़ में अभिभावकों का अपने बच्चों व परिवार से कट जाना है।

कहते हैं कि बच्चे भगवान का रूप होते हैं। चंचलता, मासूमियत, भोलापन, सादगी व सच कहने की गजब शक्ति बच्चों में होती है लेकिन आज उसी निर्भीक बचपन को अत्याधुनिकता की नजर लग गई है। यहां फिर अभिभावकों की बच्चों को शीघ्र बड़ा बनाने की तलब ने कहीं न कहीं उनके बचपन को छीनने का प्रयास किया है। अगर यही स्थिति रही तो फिर बचपन और बुढ़ापे में क्या अंतर रह जाएगा? हमें इस बाल दिवस पर इन समस्याओं को लेकर गंभीरतापूर्वक चिंतन, मनन व मंथन करने की महती आवश्यकता है।

विदेश में यांत्रिक इंजीनियर विवेक पांचाल का कमाल

गाजियाबाद। अमेरिका की 'वीटा इनक्लिनटा टेक्नोलॉजीज' कंपनी में कार्यरत विवेक पांचाल ने कमाल कर दिखाया है। विवेक पांचाल एक ऐसी टीम का हिस्सा हैं जिसने एक साल से भी कम समय में एक ऐसा प्रोडक्ट तैयार किया है जो अमेरिका की आर्मी का एक अहम हिस्सा होगा।

विवेक पांचाल अमेरिका में रोबोटिक इंजीनियर की शिक्षा लेने गये हैं। उनके पिता कृष्णपाल पांचाल ने बताया कि विवेक अगले वर्ष अपनी इंजीनियरिंग की शिक्षा पूरी कर अपने घर मीतनगर वापस लौट रहा है। विवेक की सफलता की जानकारी होने पर पूरे परिवार सहित दोस्तों और रिश्तेदारों में खुशी की लहर है। सभी लोग विवेक पांचाल की वतन वापसी की बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। -सुधीर शर्मा (पांचाल)

10वीं में फेल बड़ोदरा के प्रिंस पांचाल ने हल्के विमानों के 35 मॉडल बनाकर कर दिया हैरान

बड़ोदरा। गुजरात के बड़ोदरा में रहने वाले 17 वर्षीय प्रिंस पांचाल की प्रतिभा देखकर आज हर कोई दंग है। प्रिंस ने 35 हल्के स्वदेशी विमान के मॉडल बनाए हैं, जिन्हें रिमोट के जरिए ऑपरेट किया जा सकता है। हैरानी की बात ये भी है कि प्रिंस 10वीं में सभी विषयों में फेल हैं, लेकिन उन्होंने अपने टैलेंट को पहचाना और फ्लेक्स, बैनर और होर्डिंग के मैटेरियल से हल्के विमानों का मॉडल प्रस्तुत किया।

प्रिंस इस काम के पीछे अपने दादा जी को प्रेरणा बताते हैं। प्रिंस ने कहा 'मेरे दादाजी ने मुझे ऐसा करने के लिए प्रेरित किया। मैं कक्षा 10 में सभी छह विषयों में फेल हो गया और घर पर बेकार बैठा था। मैंने इन विमानों को बनाने के लिए अपने घर के बाहर लगाए गए बैनर, होर्डिंग्स और फ्लेक्स का इस्तेमाल किया है।'

हालांकि प्रिंस अब भी 10वीं पास करना चाहते हैं, लेकिन पढ़ाई में उनका मन नहीं लगता है। प्रिंस बताते हैं, 'मैं सबसे पहले 10वीं पास करना चाहता हूं लेकिन मैं जब भी पढ़ने के लिए बैठता हूं मुझे सिर में भारीपन लगने लगता है। मेरी कॉलोनी में लोग मुझे 'तारे जमीन पर वाला लड़का' कहते हैं।'

बता दें कि 'तारे जमीन पर' बॉलीवुड की एक फिल्म है, जिसे आमिर खान ने बनाया है। इसमें आमिर के साथ दर्शील सफारी मुख्य भूमिका में हैं। दर्शील इसमें डिसलेक्सिया से पीड़ित एक बच्चे की भूमिका निभाते हैं और आमिर शिक्षक के रुप में पढ़ाई से हटकर उसकी छिपी हुई पेंटिंग की प्रतिभा को पहचानते हैं।

-साभार

ASHOK MEDICALS

Allopathic/Ayurvedic Medicine

अंग्रेजी दवाखाना

Shop No.- F24, Lotus Square

Sheikhpur, Mehndi Tola, Lucknow

'इण्डिया बुक ऑफ रिकार्ड' में दर्ज हुआ हमीरपुर के अवनीश विश्वकर्मा का नाम

हमीरपुर। जिले के राठ क्षेत्र अन्तर्गत बरौली निवासी अवनीश विश्वकर्मा स्टेपलर पिन, माचिस की तीली, कील, धूप आदि से विभिन्न महापुरुषों के चित्र बनाते हैं। अवनीश ने बताया कि 17005 स्टेपलर पिन की मदद से युवाओं के आदर्श स्वामी विवेकानंद जी का चित्र बनाया। इस चित्र को बनाने में उन्हें 8 दिन का समय लगा। उनकी इस अद्भुत कलाकृति को 'इण्डिया बुक आफ रिकार्ड' में दर्ज किया गया है। अवनीश की इस सफलता पर समूचे क्षेत्र में खुशी की लहर है।

इससे पहले अवनीश विश्वकर्मा ने दिल्ली में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में पहला स्थान प्राप्त किया था। इस प्रतियोगिता में 9 देशों के 32 कलाकारों ने हिस्सा लिया था। अवनीश ने इस प्रदर्शनी में 3932 लोहे की कीलों से बना प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी का चित्र, सूर्य के प्रकाश से बनी मदर टैरेसा तथा माचिस की तीली व प्रकाश से बनी पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की छायाकृति प्रस्तुत की थी। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए निर्णायक मंडल द्वारा अवनीश को पहला स्थान दिया गया। अवनीश विश्वकर्मा का लक्ष्य अब अपनी कला की बदौलत गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में शामिल होना है।

अवनीश विश्वकर्मा का लक्ष्य अब अपनी कला की बदौलत 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड' में शामिल होना है।

समाज के लोगों ने अविनाश को दी बधाई व शुभकामनाएं

अवनीश विश्वकर्मा की कला और उसकी सफलता के लिये तमाम सामाजिक लोगों ने शुभकामनाएं दी है। राठ के मूल निवासी अब लखनऊ में रहकर विद्यालय संचालित कर रहे वरिष्ठ समाजसेवी राकेश विश्वकर्मा ने कहा कि अवनीश ने अपने गृहक्षेत्र के साथ ही विश्वकर्मा समाज का भी नाम रोशन किया है। राठ के ही लक्ष्मी प्रसाद विश्वकर्मा, विनोद शर्मा आदि लोगों ने भी अवनीश को बधाई दी है।

अपनी मिट्टी की सौंध होना बहुत जरूरी– चोयल

रिपोर्ट– मनोज कुमार शर्मा

परिचर्चा में कलाविद आर0बी0 गौतम ने 'राजस्थान में समसामयिक कला' विषय पर विचार व्यक्त किये तो डॉ0 शैल चोयल ने 'कला में नवाचार' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कला के विभिन्न कालों को दृश्यों के रूप में दिखाकर कला के मोहनजोदड़ो काल से लेकर वर्तमान काल तक के सफर को सबको वाकिफ कराया।

जयपुर। कलावृत्त एवं स्नेहा आर्ट गैलरी के संयुक्त तत्वाधान में राजस्थान ललित कला अकादमी परिसर में सम्पन्न हुये चार दिवसीय समसामयिक चित्रकला कैंप एवं परिचर्चा-2019 सम्पन्न हुई। शिविर में आये सभी कलाकारों ने अपनी कलाकृतियों को आकार एवं रंग प्रदान किये। कलाकारों ने अपनी विभिन्न कलाकृतियों को पूर्ण करते हुए अपने भाव व विचारों को भी कैनवास पर बखूबी उकेरा, वही कैम्प में आए कला प्रेमियों और कला छात्रों ने भी इन तमाम कलाकृतियों को मजे से देखा और जमकर सराहा।

इसके साथ ही यहां आयोजित परिचर्चा में कई वरिष्ठ कलाकारों ने अपने विचार व्यक्त किए एवं बदलते परिवेश में कला परिदृश्य को सबके सामने रखा। इस दौरान परिचर्चा में आए स्टूडेंट्स और कला के जानने वाले लोगों ने कलाकारों से संवाद व सवाल कर अपनी जिज्ञासा को शांत भी किया। परिचर्चा की शुरूआत में सभी कलाकारों ने दिवंगत कलाविद डा0 सुमहेन्द्र को नमन कर कला जगत में उनके सम्पूर्ण योगदान को याद कर उनकी कलाकृतियों में छिपे हुए भावों को सबके सामने प्रस्तुत किया।

इस दौरान कलाविद आर0बी0 गौतम, उदयपुर के डॉ0 शैल चोयल और प्रोफेसर भवानी शंकर शर्मा ने विभिन्न विषयों पर परिचर्चा में भाग लिया और अपने विचार व्यक्त किये। साथ ही वर्तमान परिदृश्य में कला जगत में हो रहे बदलाव को भी सबके सामने रख, उनकी आवश्यकता और सार्थकता के बारे में भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये। परिचर्चा में कलाविद आर0बी0 गौतम ने 'राजस्थान में समसामयिक कला' विषय पर बात करते हुए कला में बढ़ते औद्योगीकरण पर भी चिंता जताई। साथ ही इस बात की भी आवश्यकता जताई कि कला को पारंपरिक कला को सृजनात्मकता के रूप में विकसित कर आगे क्या किया जाना चाहिये।

डॉ0 शैल चोयल ने 'कला में नवाचार' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कला के विभिन्न कालों को दृश्यों के रूप में दिखाकर कला के मोहनजोदड़ो काल से लेकर वर्तमान काल तक के सफर को सबको वाकिफ कराया। साथ ही कला जगत में बाहरी दिखावे और चकाचौंध को लेकर चिंता भी व्यक्त करते हुए कहा कि कला चाहे किसी भी प्रकार की हो लेकिन कला में अपनी मिट्टी की सौंध होना बहुत जरूरी है, जो कि सुमहेन्द्र जी की कलाकृतियों में बखूबी आज भी आती है।

इस अवसर बात करते हुए शैल चोयल कहा कि कला समय का दस्तावेज होने के साथ ही स्वयं कलाकार का आईना भी होती है। आधुनिक कला हमें सिखाती है कि हमें सबको आजमाना चाहिए और सबका इस्तेमाल करते हुए खुद की सृजनात्मकता को रंगाकार प्रदान करना चाहिये। परिचर्चा के आखिर में डॉ सुमहेन्द्र के पुत्र संदीप सुमहेन्द्र ने सभी कलाकारों एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए सभी का आभार जताया एवं कला जगत में अपने पिता के योगदान को खुद के द्वारा भी हमेशा कायम रखने का भरोसा सभी को दिलाया।

टिक–टॉक स्टार बने गड़िया लोहार दम्पत्ति सोशल मीडिया पर मचा रहे धमाल

बूंदी। इन दिनों सोशल मीडिया के सबसे पसंदीदा प्लेटफॉर्म में से एक है टिक–टॉक। युवा पीढ़ी पर इस मोबाइल एप्प का जादू सिर चढ़कर बोल रहा है। टिक–टॉक पर वीडियो बनाकर अब तक कई लोग फेमस हो चुके हैं। ऐसे ही टिक–टॉक यूजर्स में राजस्थान से पति–पत्नी का जोड़ा भी शामिल हो गया है।

बूंदी जिले के नैनवा के हैं ये टिक–टॉक दम्पत्ति–

इस जोड़े की सबसे खास बात है कि यह गड़िया लोहार परिवार से ताल्लुक रखता है। राजस्थान में गड़िया लोहार परिवार की स्थिति अच्छी नहीं है। अधिकांश गड़िया लोहार परिवार के सिर पर छत तक नसीब नहीं है। राजस्थान के बूंदी जिले के नैनवा निवासी पति–पत्नी का टिक–टॉक स्टार बनना सोशल मीडिया में चर्चा का विषय बना हुआ है।

इस टिक–टॉक दम्पत्ति के फेमस होने का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि टिक–टॉक पर एक लाख 14 हजार लोग इनको फॉलो करते हैं। इनके वीडियो को 15 लाख से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं।

पति 12वीं पास, पत्नी अनपढ़–

बता दें कि नैनवां कस्बे के जजावर मोड़ पर गड़िया लोहारों की टापरियों रहने वाला 22 वर्षीय हंसराज और उसकी पत्नी सोना टिक–टॉक पर वीडियो बनाकर फेमस हो रहे हैं। दोनों बेहद गरीब परिवार से हैं। फिल्में कभी नहीं देखी, मगर फिल्मों के गानों और डायलॉग पर इनकी एक्टिंग को लोग खूब पसंद कर रहे हैं। हंसराज 12वीं तक पढ़ा लिखा है जबकि इसकी पत्नी सोना अनपढ़ है। टापरियों में रहकर दोनों सोशल मीडिया पर चलने वाले गानों को देख कर ही अभिनय करना सीख गए। एक वर्ष से टिक-टॉक पर फिल्मी गीतों पर अभिनय कर बनाये वीडियो लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं।

एक लाख से ज्यादा फॉलोवर–

इस टिक–टॉक दम्पत्ति के फेमस होने का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि टिक–टॉक पर एक लाख 14 हजार लोग इनको फॉलो करते हैं। इनके वीडियो को 15 लाख से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं। यह दम्पत्ति अब तक 291 गीतों पर वीडियो बना चुका है। उसमें सबसे ज्यादा 'मैं दुनिया से चला जाऊंगा' गीत पर बनाया वीडियो लोकप्रिय रहा है। इसे 31 लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं और तीन लाख 53 हजार से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं। टिक–टॉक पर दोनों ने 'वादा है वादा' गीत पर अभिनय का पहला वीडियो डाला था। जिसको 32 लाख लोगों ने देखा था और दो लाख 64 हजार लाइक्स मिले।

पत्नी का साथ मिला तो हुआ फेमस–

सरदार लोहार के बेटे हंसराज ने बताया कि 12वीं कक्षा पास करने के बाद उसने पढ़ाई छोड़ दी। दक्षिण भारत के अभिनेता अलु अर्जुन का टिक-टॉक पर अभिनय देखा तो उसके मन में आया कि ऐसी कला तो मैं भी दिखा सकता हूं। पहले पत्नी को टिक-टॉक के लिए अभिनय करना सिखाया। उसके बाद दोनों मिलकर वीडियो बनाने लगे। लोग कमेंट और लाइक के जरिए इनका उत्साह बढ़ाते हैं।

बादल तो सबको आंख दिखा कर चले गए

रायबरेली। राष्ट्रीय कवि संगम रायबरेली इकाई द्वारा सतांव रायबरेली में एक काव्य संध्या का आयोजन नोएडा से पधारे हास्य कवि बाबा कानपुरी के सम्मान में किया गया। जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ कवि डॉ0 देवी बख्श सिंह वैस ने की।

मंच का संचालन करते हुए ओज के युवा कवि नीरज पांडे ने कहा बाबा कानपुरी की जन्मभूमि ग्राम-झूलपुर, जिला रायबरेली है और हास्य कवि के रूप में उन्हें पहचान कानपुर से मिली। उनकी कर्मभूमि देश का बड़ा औद्योगिक नगर नोएडा है जो कि आवासीय दृष्टि से भी जो आज आदर्श नगर के रुप में जाना जाता है। जिसे उन्होंने अपनी साहित्यिक सांस्कृतिक गतिविधियों से एक राष्ट्रीय पहचान दिलाई है। वह एक प्रतिष्ठित हास्य कवि ही नहीं बल्कि गीत-गजल और कविता की अन्य विधाओं में भी उनका पूरा दखल है। काव्य गोष्ठी का शुभारंभ कवि कुमार सुरेश ने अपने प्रेरक गीत 'जिंदगी सार्थक तेरी हो जाएगी' से किया।

काव्य पाठ के क्रम में सन्तोष शर्मा उर्फ बाबा कानपुरी ने महानगरीय विसंगतियों पर कुछ दोहे सुनाए। उन्होंने कहा- खाने पर प्रतिबंध है, सम्मुख छप्पन भोग। उन्हें खिला सकते नहीं, भूखे हैं जो लोग।। उनके इस दोहे की काफी सराहना हुई।

कार्यक्रम में युवा कवि पंकज शर्मा, विज्ञान रत्न, अनुपम शर्मा, राजेश शर्मा आदि की उपस्थिति सराहनीय थी।

-विशेष अनुरोध-

प्रिय बन्धुओं, सादर विश्वकर्माभिवादन!

आप सभी जानते हैं कि "**विश्वकर्मा किरण**" हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका प्रकाशन के 20वें वर्ष में चल रही है, जो समाज के अधिकांश समाचारों, विचारों और लेखों के साथ आप सभी के बीच एक पहचान बना चुकी है। पत्रिका ने समाज के हर छोटे-बड़े समाचारों, लेखकों के विचार, समाज के कवियों और साहित्यकारों को तवज्जो दिया है। अधिकांश पाठक और शुभचिन्तक यह अच्छी तरह जानते हैं कि समाचारपत्र अथवा पत्रिका प्रकाशन का कार्य बहुत ही कठिन है। प्रकाशन में बहुत खर्च आता है जिसका संकलन बहुत ही कठिनाई से हो पाता है, इन्हीं परिस्थितियों में कभी-कभार प्रकाशन बाधित भी हो जाता है। प्रकाशन बिना आप सभी के सहयोग के नहीं चल सकता। आप सभी से अनुरोध है कि सदस्यता के अलावा भी समय-समय पर यथासम्भव पत्रिका का आर्थिक सहयोग करते रहें जिससे प्रकाशन निर्बाध रूप से चलता रहे।

सहयोग राशि इस खाते में जमा करें-

Account Name	:	VISHWAKARMA KIRAN
Account No.	:	4504002100003269
Bank Name	:	PUNJAB NATIONAL BANK
Branch	:	SHAHGANJ, JAUNPUR (U.P.)
IFSC Code	:	PUNB0450400

Tel. (Off.): 022-25952102
Cell: 09821243732
09324092819

Balgovind Sharma (Bachhan)

VIJAY ENTERPRISES

Specialist In: Blow Moulds, Dies & Patterns

38, Shiva Estate, Next to Tata Power House
Lake Rode, Bhandup (W) Mumbai-400078
E-mail: blow.mould@hotmail.com

ShantiLal Gehlot
Mob.- 9819287799

Kailash
Mob.- 9773000649

Shiv Shakti
Interior

- *Interior
- *Designer
- *Consultant

B-150, Shahavi Colony 1st Flour Near Costom Shop
Navghar Road Mulund (E) Mumbai-400081
E-mail: shivshaktiinterior@gmail.com

विश्वकर्मा बाडी बिल्डर

निकट- न्यू पापुलर सर्विस स्टेशन

रहनाल-आगरा रोड, भिवण्डी (महाराष्ट्र)

स्पेशलिस्ट- बस, ट्रक, कार्गो बाडी

मैन्यूफैक्चरर्स इन स्टील एण्ड वूडेन

प्रोप्राइटर
नागेन्द्र माताफेर विश्वकर्मा
मो0: 9029921005, 8484921005

विश्वकर्मा किरण हिन्दी साप्ताहिक
R.N.I. No.- UPHIN/2000/01157
जौनपुर, 28 नवम्बर, 2019

लकड़ी की सुंदरता ... काटने और शामिल होने की खुशी को अवशोषित करती है.

कई वर्षों के जुनून के माध्यम से तैयार की जाती है...

ये वे कारण हैं जिनसे आप वुडवर्किंग को प्यार करते हैं।

POCHO
LIVING

32-A ,MELADI ESTATE,LANE-4,GOTA ,AHMEDABAD.382481,
GUJURAT,INDIA.
MO:+91 992 446 7299.E-MAIL:POCHOLIVING@GMAIL.COM

Western Planned!
Success by Designs Not by Chance
Engineering • Survey • Planning • Designs
Construction • Fabrication • Erection • Execution
www. westernconfab.com

WESTERN
InfraProjects Pvt. Ltd.

206 , APM Mall
Opp. Sun - N - Step Club
SAL Hospital - Sola Road
AHMEDABAD - 380 061

westernconfab@gmail.com • western_confab@indiatimes.com • wcfe_bharat@rediffmail.com
Office +91 - 79 - 274 60 902, Home +91 - 79 - 274 34 694, Fax +91 - 79 - 274 60 902, Cell +91 - 98 250 70 867

INFRASTRUCTURE • INDUSTRIAL • INSTITUTIONAL PROJECTS • CONSTRUCTOR & BUILDERS